मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 135
गुरुवार, 27 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बिहार जीत के बाद भाजपा में मंथनः जनवरी 2026 तक मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नईदिल्ली, 26 नवम्बर। बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत और सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद, सभी राज्यों में पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल के गठन की तैयारी शुरू हो गई है। 29 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं और केवल उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में ही चुनाव प्रक्रिया जारी है, ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। जनवरी 2026 तक नए पार्टी प्रमुख का चयन होने की उम्मीद है।

पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिया कि 14 जनवरी के बाद, जब हिंदू पंचांग में अशुभ माने जाने वाले खरमास का समापन होगा और शुभ चरण शुरू होगा, प्रक्रिया में तेजी आएगी। भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने कहा कि सभी तैयारियाँ और प्रक्रियाएँ राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रही हैं, और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी 2026 तक होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि चुनावों के लिए निर्वाचक मंडलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में औपचारिकताएँ अभी भी जारी हैं। इस बीच, भगवा हलकों में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, जो वर्तमान में सेवा विस्तार पर हैं, के उत्तराधिकारी के रूप में तीन नाम चर्चा में हैं। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिन पर चर्चा हो रही है। इनमें से, आरएसएस और अमित शाह, दोनों के करीबी माने जाने वाले मौर्य और बिहार चुनाव अभियान के दौरान चुनाव प्रभारी रहे प्रधान, सबसे प्रमुख दावेदारों में उभरे हैं। इसी तरह, मौजूदा मोदी कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुद को एक बेहद प्रभावी भाजपा नेता के रूप में स्थापित किया है, और हाल के वर्षों में बिहार सहित पार्टी की कई चुनावी जीत में अहम योगदान दिया है। एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि अगर शाह ने रणनीति बनाई, तो प्रधान ने जमीनी स्तर पर उसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। प्रधान और शिवराज सिंह चौहान, दोनों ही इस पद के प्रबल दावेदार बन सकते हैं।

गुजरात के साबरकांठा में ट्रक ने रोड रोलर को मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

गुजरात, 26 नवम्बर। गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार आधी रात के बाद तेज रफ्तार ट्रक ने रोड रोलर को टक्कर मार दी जिससे तीन मजदूरों और एक इंजीनियर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मोतीपुरा औद्योगिक क्षेत्र के पास एक होटल के सामने हुई। ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया। ए डिवीजन थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, ट्रक ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत कार्य में लगे एक रोड रोलर को टक्कर मार दी।

टक्कर के कारण चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान पश्चिम बंगाल निवासी इंजीनियर असीम मजमुदार और गुजरात के महिसागर जिले के निवासी संविदा कर्मचारी सोमाभाई नायक, भेमाभाई नायक और रघुभाई नायक के रूप में हुई है।

प्राथमिकी के अनुसार, रोलर का चालक साहद बाबूलाल दुर्घटना में घायल हो गया। सोमाभाई नायक के बेटे ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि उनका परिवार पिछले एक साल से उदयपुर-अहमदाबाद राजमार्ग पर मजदूर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) (लापरवाही से मौत), 105 (गैर इरादतन हत्या), 281 (तेज गति से वाहन चलाना) और 125(ए) (जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत मामला दर्ज किया है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की संबंधित धाराओं को भी लागू किया गया है।

एसआईआर के जरिये लोकतंत्र को एकतंत्र में बदलने का कुटिल प्रयास किया जा रहा है : दिग्विजय सिंह

भोपाल, 26 नवम्बर। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर बुधवार को हमला बोला और आरोप लगाया कि एसआईआर की पूरी तरह दोषपूर्ण प्रक्रिया के जरिये लोकतंत्र को एकतंत्र में बदलने का कुटिल प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने संविधान दिवस पर इंदौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिंह ने शहर के गीता भवन चौराहे पर संविधान निमार्ता डॉ. बीआर आम्बेडकर के प्रतिमा स्थल के पास आयोजित सभा में कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह दोषपूर्ण है।

उन्होंने एसआईआर पर निशाना साधते हुए कहा, भारत के संविधान को लोकतंत्र से एकतंत्र में बदलने का कुटिल प्रयास किया जा रहा है। हमारी मतदाता सूची से छेड़खानी की जा रही है। यह छेड़छाड़ केवल मतदाता सूची तक सीमित नहीं है। आपकी नागरिकता पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

सिंह ने कहा, देश में आज लोकतंत्र खतरे में है। हमें निर्णय करना है कि देश में एकतंत्र होना चाहिए या लोकतंत्र? उन्होंने हिटलर और मुसोलिनी जैसे तानाशाहों के उदाहरण देते हुए कहा कि एकतंत्र में केवल एक व्यक्ति का राज चलता है और आम लोगों की कहीं कोई सुनवाई नहीं होती है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि देश में 2003 तक जो एसआईआर होता था, उसमें हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ने की जिम्मेदारी सरकार और चुनाव आयोग की होती थी, लेकिन एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया के तहत खुद नागरिकों से उनके मतदाता होने के प्रमाण मांगे जा रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में एसआईआर के तहत करीब 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची के मसौदे से हटाए जाने पर सवाल उठाए और कहा, क्या ये लोग इस देश के नागरिक नहीं थे?

निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी बिल के विरोध में आज सड़क पर उतरेंगे बिजलीकर्मी

●बिजली सार्वजनिक सेवा है, इसे लाभ कमाने की वस्तु बनाना न तो सामाजिक न्याय के अनुकूल है और न ही अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक

सुरेश गांधी

वाराणसी. विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले चल रहा बिजलीकर्मियों का आंदोलन बुधवार को निर्णायक पड़ाव पर पहुँच गया है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण तथा इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के विरोध में बिजलीकर्मी गुरुवार को सड़क पर उतरेंगे। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर होने वाले इस राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन में वाराणसी के बिजलीकर्मी भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

भिखारीपुर स्थित पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक कार्यालय पर दोपहर 1 बजे से होने वाले व्यापक प्रदर्शन में अभियंता, अवर अभियंता, नियमित कर्मचारी, संविदाकर्मी और तकनीकी स्टाफ बड़ी संख्या में जुटेंगे। यह विरोध इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि बिजलीकर्मियों का निजीकरण के खिलाफ चल रहा संघर्ष आज 364वें दिन में प्रवेश कर चुका है। संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक ई. शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि ठीक एक वर्ष पूर्व पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की घोषणा की थी। तब से ही पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन चल रहा है।उन्होंने कहा कि निजीकरण न तो उपभोक्ता के हित में है और न ही कर्मचारियों के। इससे बिजली दरों में वृद्धि, सेवा गुणवत्ता में गिरावट और हजारों कर्मचारियों की नौकरी पर संकट खड़ा होगा। उन्होंने बताया कि सभी संगठनों, ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स, ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन, ऑल इंडिया पावर मेन्स फेडरेशन ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है कि 27 नवंबर को देशभर में बिजलीकर्मी सड़क पर उतरकर सरकार को संदेश देंगे कि बिजली जैसे संवेदनशील क्षेत्र में निजीकरण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं। होने वाले विरोध प्रदर्शन में प्रमुख मांगें होंगी, पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों का निजीकरण तत्काल रोका जाए।

इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 वापस लिया जाए। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की प्रक्रिया बंद की जाए। मजदूर विरोधी चारों श्रम संहिताएं रद की जाएं। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए। वाराणसी में कल हुए पूर्व-प्रदर्शन सभा को कई वरिष्ठ इंजीनियरों और पदाधिकारियों ने संबोधित किया। मंच से ई. मायाशंकर तिवारी, ओ.पी. सिंह, ई. एस.के. सिंह, अंकुर पांडेय, ज्योति प्रकाश, सतीश बिंद, संदीप कुमार, राजेश सिंह, जयप्रकाश, योगेंद्र कुमार, धर्मेंद्र यादव, एस.के. सरोज, उदयभान दुबे, मनोज जैसवाल, मनोज यादव सहित कई वक्ताओं ने निजीकरण को देशहित व जनहित के विरुद्ध बताया। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि बिजली सार्वजनिक सेवा है, इसे लाभ कमाने की वस्तु बनाना न तो सामाजिक न्याय के अनुकूल है और न ही अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक। वक्ताओं के अनुसार बिजलीकर्मियों का संघर्ष अब केवल कर्मचारियों की नौकरी बचाने का आंदोलन नहीं रहा, बल्कि यह किसानों, मजदूरों और देश के आम उपभोक्ताओं का आंदोलन बन चुका है।

महिला सशक्तिकरण का नया अभियान 'नई चेतना 4.0': शिवराज चौहान ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय अभियान, नई चेतना 4.0 का शुभारंभ किया। मुख्य भाषण देते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री के इस संकल्प की पुष्टि की कि कोई भी बहन गरीबी में न रहे, कोई भी महिला आँखों में आँसू लिए न रहे और हर बहन लखपति दीदी के रूप में सम्मान, आत्मविश्वास और समृद्धि प्राप्त करे। उन्होंने बताया कि दो करोड़ से ज्यादा स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ अब तक लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण को मजबूत करके और देश भर में ग्रामीण महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करके इस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान उपस्थित थे। इस अवसर पर ग्यारह सहयोगी मंत्रालयों/विभागों, अर्थात महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, गृह मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, और न्याय विभाग, द्वारा हस्ताक्षरित एक अंतर-मंत्रालयी संयुक्त परामर्शी का भी अनावरण किया गया। यह परामर्शी संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण की भावना को मूर्त रूप देती है, जो लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रत्येक सहयोगी मंत्रालय/विभाग की शक्ति का लाभ उठाती है।

अन्नपूर्णा देवी ने इस बात पर जोर दिया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के बीच अंतर-मंत्रालयी त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन-आशय पत्र, हिंसा मुक्त ग्राम पहल के अंतर्गत आदर्श ग्रामों के विकास को आगे बढ़ाएगा, जिससे ग्रामीण भारत में लड़कियों और महिलाओं के लिए सुरक्षा, अधिकार और सशक्तीकरण के अवसर सुनिश्चित होंगे।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) द्वारा आयोजित यह महीने भर चलने वाला अभियान 23 दिसंबर 2025 तक सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलेगा। डीएवाई-एनआरएलएम के व्यापक स्वयं सहायता समूह नेटवर्क के नेतृत्व में यह पहल एक जन आंदोलन की भावना का प्रतीक है।

संविधान विरोधी मनुवादियों की पहचान करें लोग : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को लोगों से ऐसे संविधान विरोधी मनुवादियों की पहचान करने का आह्वान किया जो संविधान के बजाय मनुस्मृति को तरजीह देते हैं।

सिद्धरमैया ने चेतावनी दी कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर के संविधान के लागू होने से पहले देश में एक अलिखित मनुस्मृति का शासन था। वह यहां संविधान दिवस समारोह - 2025 का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, मनुस्मृति में वर्णित मानव-विरोधी और समानता-विरोधी नियमों का आंबेडकर के संविधान में कोई स्थान नहीं था। इसीलिए मनुवादी हमारे संविधान का विरोध करते हैं।

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

-ललित गर्ग

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है।

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औजार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरूआत कर रही हैं।

हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरूआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है।

हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

ममता एसआईआर के विरोध के नाम पर दे रही हैं घुसपैठियों का साथ

-अजय कुमार

पश्चिम बंगाल में वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) प्रक्रिया का जबर्दस्त विरोध कर रही हैं, क्योंकि उनका मानना है कि यह प्रक्रिया भाजपा द्वारा अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम वोटर्स को निशाना बनाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही है। ममता का यह भी आरोप है कि एसआईआर के तहत घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाने का नाम लेकर असली वोटरों को भी परेशान किया जा रहा है, जिससे उनका वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। इस विरोध के पीछे दो पहलू हैंः एक तो ममता का अल्पसंख्यक वोट बैंक बचाने का प्रयास, और दूसरा पश्चिम बंगाल में चुनावी फायदे की नजर से यह विरोध। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए असम जैसे भाजपा शासित राज्यों में इस प्रक्रिया को लागू न करने की निंदा की है। ममता ने चुनाव आयोग को कई बार पत्र लिखकर इस प्रक्रिया को अव्यवस्थित, खतरनाक और बिना तैयारी के बताया है और इसे रोकने की मांग की है।

पश्चिम बंगाल में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को इस प्रक्रिया में काम करने में जो परेशानी हो रही है, वह तृणमूल कांग्रेस और ममता सरकार के एसआईआर विरोध के चलते है। बीएलओ यूनाइटेड फोरम के अनुसार, प्रदेश में बीएलओ को राजनीतिक संरक्षण वाले अपराधी तत्व धमका रहे हैं, जिससे वे अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे। बीएलओ के लिए उचित सुरक्षा, ट्रेनिंग और प्रशासनिक सहूलियत नहीं मिल रही है; वे अपने स्कूलों में भी उपस्थिति दर्ज नहीं करवा पा रहे हैं और उनके ड्यूटी आवंटन में अनियमितता है। इसके अलावा, उन्हें काम का अत्यधिक दबाव, डेटा में त्रुटियां, सर्वर फेलियर जैसी तकनीकी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं और बिना कारण बताए डिसिप्लिनरी एक्शन की धमकियां मिल रही हैं।

ममता सरकार की यह रणनीति बीएलओज को भयभीत करके एसआईआर प्रक्रिया को बाधित करने की है, ताकि फर्जी वोटर सूची में बने रह सकें और घुसपैठियों या फर्जी वोटर्स को हटाने की प्रक्रिया सफल न हो। इस कारण प्रभावी तरीके से केवल पश्चिम बंगाल में ही बीएलओ को काम करने में दिक्कतें आ रही हैं। ममता ने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया है कि वे एसआईआर प्रक्रिया के तहत लगने वाले दबाव और समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं, जबकि बीएलओ अपने हद से ज्यादा काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया के रूप में पुलिस कार्रवाई व अन्य समर्थन नहीं मिल रहा, जिससे बीएलओ और ज्यादा दबाव में हैं।

इस प्रकार, ममता सरकार का एसआईआर विरोध और बीएलओ पर हो रहे दबाव की जड़ में सीधा राजनीतिक हित है। ममता बनर्जी अल्पसंख्यक वोटरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ अपने राजनीतिक प्रभाव को बचाने के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रही हैं। बीएलओ, जो घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच कर रहे हैं, उन्हें दंडित करने, धमकाने एवं उनकी सहायता रोकने की क्रियाएं इस विरोध का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति इसलिए विशेष रूप से गंभीर है, क्योंकि यहां के वोट बैंक में अल्पसंख्यकों का बड़ा हिस्सा है और ममता सरकार उसे खोना नहीं चाहती। कुल मिलाकर, ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध घुसपैठियों के वोट को लेकर उनकी चिंता के साथ-साथ चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जबकि बीएलओ को इस प्रक्रिया में कानूनी, प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव की वजह से काम करना कठिन हो रहा है, और ममता सरकार इन दबावों और बाधाओं को बढ़ा रही है ताकि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह से प्रभावी न हो सके।

आक्रामक साजिशों के बीच संविधान की असल ताकत

-संजय सक्सेना

26 नवम्बर आज केवल एक तारीख नहीं, आज की तारीख देश की आत्मा, उसके बुनियादी ढांचे और जनता की सर्वोच्चता की याद दिलाने वाला दिन है। संसद के गौरवशाली भवन में जब राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और विभिन्न दलों के नेता संविधान दिवस पर अपने विचार रखते हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जानते हैं कि असली नैतिक शक्ति उस मोटी किताब में दर्ज जनता के अधिकारों से आती है। इसी वजह से आज की राजनीति में संविधान दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि विचारधाराओं की टकराहट, जनता के समर्थन की होड़ और भविष्य के भारत की दिशा तय करने का अहम मौका बन चुका है। सवाल यह उठता है कि जब संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तो फिर संविधान दिवस 26 नवम्बर को क्यों मनाया जाता है। इसका उत्तर इतिहास के उस निर्णायक क्षण में छुपा है जब 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने बहस, मतभेद और भारी मंथन के बाद भारत के संविधान को औपचारिक रूप से अपनाया था। कुल 2 वर्ष 11 माह 18 दिन की लगातार मेहनत के बाद तैयार हुए इस संविधान को उसी दिन स्वीकार किया गया और यह दिन हमारे लोकतांत्रिक सफर की असली दस्तावेजी जन्मतिथि बन गया। बाद में 26 जनवरी को लागू करने के पीछे भी एक राजनीतिक और सांकेतिक निर्णय था, ताकि 1930 के पूर्ण स्वराज दिवस की याद के साथ गणराज्य की नई शुरूआत जोड़ी जा सके, इसलिए लागू होने की तारीख 26 जनवरी रखी गयी, जबकि अपनाने की ऐतिहासिक तारीख 26 नवम्बर ही रही।

आज जो संविधान दिवस राजनीतिक बहस का केन्द्र है, वह दरअसल 2015 में एक नए रूप में सामने आया जब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर केन्द्र सरकार ने 26 नवम्बर को औपचारिक रूप से संविधान दिवस घोषित किया। इस निर्णय के पीछे तर्क यह था कि केवल गणतंत्र दिवस जैसे औपचारिक उत्सव से आगे बढ़कर साल में एक दिन ऐसा भी हो जो खास तौर पर नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाए। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के बाद से हर वर्ष इस दिन विद्यालयों, महाविद्यालयों, न्यायालयों और सरकारी दफ्तरों में प्रस्तावना का सामूहिक पठन, गोष्ठियाँ, शपथ कार्यक्रम और बहसों का आयोजन होने लगा, जिसने इसे एक जीवंत राजनीतिक और सामाजिक उत्सव में बदल दिया। इस दिन संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सत्ता और जनमत के बीच संवैधानिक अनुबंध की सार्वजनिक पुनर्पुष्टि होती है। राष्ट्रपति जब प्रस्तावना और मूल अधिकारों पर जोर देती हैं, लोकसभा अध्यक्ष संसद की गरिमा और मयार्दा की बात करते हैं, प्रधानमंत्री संविधान के प्रति निष्ठा दोहराते हैं, तो विपक्ष भी इस मंच को सरकार से सवाल करने और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल करता है। यही वजह है कि आज संविधान दिवस पर राजनीति गर्म होना स्वाभाविक है, क्योंकि यही मंच सत्ता के चरित्र, नीतियों और मंशा की असली परीक्षा का दिन भी बन जाता है। अब सवाल यह भी है कि 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान में इतने सालों में कितने बड़े बदलाव आ चुके हैं और उनका स्वरूप क्या रहा है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है और इसकी मजबूती का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि इसे समय के साथ बदलने और समाज की नई जरूरतों के अनुरूप ढलने की क्षमता दी गयी है। आज तक इसमें सौ से अधिक संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से कई ने देश की राजनीतिक व्यवस्था, अधिकारों और शासन संरचना को गहरे तौर पर प्रभावित किया है; इन्हीं बड़े संशोधनों ने संविधान को केवल स्थिर दस्तावेज नहीं रहने दिया बल्कि एक जीवंत, बढ़ती हुई व्यवस्था में बदला है। इन बड़े परिवर्तनों में सबसे प्रमुख स्थान 42वें संशोधन को दिया जाता है, जिसे अक्सर ह्यलघु संविधानह्ल कहा जाता है क्योंकि इसने प्रस्तावना से लेकर मूल कर्तव्यों और केन्द्र-राज्य संबंधों तक कई बुनियादी हिस्सों को बदल दिया। इसी संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गये और नागरिकों के मूल कर्तव्यों की सूची पहली बार संविधान में दर्ज की गयी, जिससे अधिकारों के साथ कर्तव्यों की वैधानिक जिम्मेदारी भी रेखांकित हुई। यह संशोधन आपातकालीन दौर की राजनीति की देन था और आज भी इस पर बहस होती है कि इसने संविधान की मूल भावना को कितना मजबूत किया और कहाँ-कहाँ सत्ता के केंद्रीकरण का रास्ता खोला।

44वें संशोधन ने उसी आपातकालीन दौर की कई अतियों पर प्रहार करते हुए मूल अधिकारों की रक्षा को फिर से मजबूत किया और आपातकाल की घोषणा जैसे प्रावधानों को अधिक कठोर और जवाबदेह बनाया। इस संशोधन के जरिये यह प्रयास किया गया कि भविष्य में सत्ता किसी एक व्यक्ति या दल के हाथ में अत्यधिक केंद्रित होकर नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचल न सके; यानी संविधान ने खुद अपने भीतर सुधार की प्रक्रिया अपनाकर लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए नई दीवारें खड़ी कीं। इसी क्रम में बाद के संशोधनों ने चुनावी व्यवस्था, पंचायती राज, नगर निकायों और आरक्षण नीति तक को नए रूप में गढ़ा। 73वें और 74वें संशोधनों ने गाँव से लेकर शहर तक स्थानीय स्वशासन की नई नींव रखी, जिससे पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा मिला और आम नागरिक के दरवाजे पर लोकतंत्र की आवाजाही बढ़ी। इन संशोधनों ने महिला सहभागिता बढ़ाने के लिए आरक्षण की व्यवस्था को मजबूती दी, जो बाद में राज्यों द्वारा अलग-अलग स्तर पर और विस्तारित की गयी; इस तरह संविधान ने लोकतंत्र को केवल राजधानी और विधानसभा भवनों तक सीमित नहीं रहने दिया बल्कि उसे मोहल्ले और गाँव की चौपाल तक पहुँचाया। इसी दौरान शिक्षा, नगर नियोजन और स्थानीय संसाधनों के नियंत्रण पर भी जनता और स्थानीय निकायों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में संवैधानिक सुरक्षा मिली।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण से जुड़े संशोधन भी संविधान में बड़े बदलाव के रूप में दर्ज हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाये गये। उच्चतम न्यायालय के फैसलों और राजनीतिक सहमति के बीच टकराव और समन्वय की कठिन प्रक्रिया से गुजरते हुए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था को संतुलित किया गया, ताकि समता के आदर्श और प्रशासनिक दक्षता दोनों के बीच एक व्यावहारिक रास्ता निकल सके। हाल के वर्षों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने वाला संशोधन भी इसी बहस का हिस्सा है, जो दिखाता है कि संविधान की व्याख्या केवल जाति आधारित पिछड़ेपन तक सीमित नहीं रखी जा रही।

इन सभी बड़े संशोधनों के बावजूद संविधान की प्रस्तावना में दर्ज न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल आदर्श आज भी वही हैं, जिन पर पूरी राजनीतिक बहस घूमती है। आज सत्ता पक्ष इन्हीं आदर्शों के नाम पर अपनी नीतियों को जनता के सामने न्यायोचित ठहराता है, तो विपक्ष भी इन्हीं आदर्शों का हवाला देकर सरकार पर हमला बोलता है कि कहीं न कहीं संवैधानिक संस्थाएँ कमजोर की जा रही हैं या अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। इसी टकराव में नागरिकों की भूमिका निर्णायक बनती है, क्योंकि लोकतंत्र में आखिरी फैसला मतदाता के हाथ में होता है, जो संविधान को अपने वोट से जिंदा रखता है।

संविधान दिवस की राजनीति इसलिए भी अधिक तीखी हो गयी है क्योंकि यह दिन केवल उत्सव नहीं, आत्ममंथन का भी दिन बनता जा रहा है। आज जब संसद में बहस होती है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, मीडिया की आजादी, चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और संघीय ढांचे की मजबूती कितनी सुरक्षित है, तो उसका सीधा संबंध संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है; कोई भी दल खुलकर यह स्वीकार नहीं कर सकता कि वह संविधान से ऊपर है, इसलिए सब उसकी व्याख्या अपने हिसाब से करने की कोशिश करते हैं। यही संविधान की असली ताकत है कि हर दल, हर नेता, हर आंदोलन को अंततः उसी किताब का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें पहली पंक्ति जनता को सर्वोच्च बताती है।

आज भी जब संसद के बाहर नारों, टीवी बहसों और सामाजिक माध्यमों पर आरोप-प्रत्यारोप का शोर गूंजता है, तब भी संविधान की प्रस्तावना शांत, स्पष्ट और अडिग खड़ी रहती है। यह दिन याद दिलाता है कि सरकारें आयेंगी, जायेंगी, बहुमत बदलेंगे, नारे बासी हो जायेंगे, लेकिन अगर नागरिक सचेत रहें, अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझें, तो संविधान किसी भी तानाशाही इरादे को मात दे सकता है। इसी चेतना को जिंदा रखना ही संविधान दिवस का असली उद्देश्य है, और यही वजह है कि इस दिन की राजनीति जितनी गरम होगी, जनता के लिए संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी उतनी ही बड़ी होती जाएगी।

सफल रणनीतिकार प्रशांत किशोर की चुनावी असफलता

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

राजनितिक समझदारी से लबरेज बिहार राज्य में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण रुप से सम्पन्न हुए। एनडीए गठबंधन ने अपेक्षाकृत अधिक सफलता अर्जित की इसके विपरीत इंडिया गठबंधन को शर्मनाक चुनावी पराजय का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में नये नवेले राजनैतिक दल जन सुराज के गुब्बारे की भी हवा निकल गयी, जिसके आसमानी दावों ने बिहार सहित सम्पूर्ण देश में जन सुराज और प्रशांत किशोर की अभूतपूर्व सफलता का तात्कालिक भ्रम पैदा कर दिया था, जैसे अपने पहले प्रदर्शन में ही जन सुराज स्थापित राजनैतिक दल के रुप में बिहार की जनता के मन मस्तिष्क पर अंकित हो गया हो, किंतु बिहार के चुनावी परिणामो ने इस भ्रम को दूर किया। इस परिणाम ने जन सुराज के संस्थापक एवं देश के सफलतम चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर उर्फ पीके को यह संकेत भी दिया की अभी दिल्ली दूर है और यह भी की एक रणनीतिकार का राजनीतिज्ञ के रुप में स्थापित हो जाना इतना आसान नही है। इससे पहले की देश के सफलतम चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर उर्फ पीके के सबंध में बात शुरू की जाए सफल राजनितिक रणनीतिकार की महत्ता को जान लेना जरुरी है। बात 1992 की है अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिटन ने राष्ट्रपति पद संभाला और रिपब्लिक पार्टी के शासन का अंत हुआ। इस उपलब्धि में रणनीतिकार जेम्स कार्विल का बड़ा योगदान था। जिन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बिल क्लिटन के लिए चुनावी रणनीति बनाई थी। उन्होंने क्लिटन के लिए आर्थिक रणनीति तैयार करते हुए अमेरिकी जनता को आकर्षित करने वाले लेख लिखें ऐसी स्पीच भी तैयार की थी।

चुनावी रणनीति या प्रबंध वर्तमान डिजिटल युग में तकनिकी भी हो गया है, किंतु भारत जैसे देश में चुनावी रणनीति का प्रचलन प्रशांत किशोर के बाद ही अधिक प्रचलन में आता दिखाई दिया है। भारत के आम चुनाव में तो नारे श्लोगन ही देश में चुनावी माहौल निर्मित कर देते थे। जैसे लालबहादुर शास्त्री द्वारा दिया नारा 'जय जवान जय किसान, फिर इंदिरा गांधी का गरीबी हटाओ का नारा देश में क्रांति लेकर आया और कांग्रेस को इस नारे से चुनावी सफलता भी प्राप्त हुई। अटल जी ने शास्त्री के नारे जय जवान जय किसान को आगे बढ़ाते हुए जय जवान जय किसान और जय विज्ञान का नारा देकर प्रगति में विज्ञान की महत्ता को बढ़ाया था। इन नारों में कांग्रेस का हाथ आम नागरिक के साथ, इंडिया शाइनिंग और फिर सबका साथ सबका विकास बेहद प्रचलित नारे रहे है। इन नारो के निर्माण में भी प्रबंधकीय विधा की आवश्यकता से इंकार नही किया जा सकता है। इनमे बहुत से नारे बेहद प्रभावी होकर चुनाव जिताऊ नारे बनकर इतिहास में अंकित हो गए है। जिस प्रकार नारे नेता और दल की मंशा को प्रकट करते थे, वैसे ही चुनावी रणनीतिकार नेता और दल की इमेज को बढ़ाने के लिए कार्य करते है। प्रशांत किशोर भारत के सफलतम राजनितिक रणनीतिकार मानें जाते है, जिन्होंने 2012 में गुजरात चुनाव और 2014 के लोकसभा चुनाव हेतु भाजपा के लिए प्रबंधकीय भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को जनता के अनुकूल और आकर्षक बनाने का प्रयास भी किया। बिहार में नितीश हो या बंगाल में ममता प्रशांत के चुनावी प्रबंधन का लाभ लेकर चुनाव जितने में कामयाब हुए है। अब सवाल यह उठता है की देश के ख्यातनाम चुनावी रणनीतिकार पीके स्वयं की पार्टी जन सुराज के लिए रणनीति क्यों नही बना पाए? क्यों पीके के होते हुए भी जन सुराज अपने पहले चुनाव में चुनावी सफलता अर्जित करने में विफल रही?

प्रशांत किशोर की चुनावी असफलता को एक चुनावी रणनीतिकार की असफलता मानना जल्दबाजी भरा फैसला होगा और जन सुराज और प्रशांत किशोर के साथ अन्याय भी। दरअसल नए दल और नेता को स्थापित होने में समय लगता है। एक राजनैतिक दल जो बिहार प्रदेश में 2 अक्टूम्बर 2025 को अस्तित्व में आया हो, जिसके नेता ने प्रबंधकीय विधा से राजनितिक क्षेत्र में कदम रखा हो, जिसने चुनावी प्रबंधक के शूटबूट से खादी के गणवेश धारणकर गांधी की जयंती पर बिहार में अपनी राजनितिक पारी का आगाज किया हो। फिर बिहार जैसे राज्य में चुनावी सफलता प्राप्त करना आसान भी नही माना जा सकता है। इसके विपरीत बिहार जैसे बड़े राज्य में प्रथम विधानसभा चुनाव में 238 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रबंधन जन सुराज और पीके के बेहतर भविष्य का संदेश है। बिहार चुनाव अभियान के दौरान पीके का मिडिया प्रबंधन राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दलों से बेहतर दिखाई दिया। उन्होंने बिहार की समस्याओं को दमदारी से उठाया, राज्य से होने वाले प्रदेशवासियों के पलायन की बात की जोरदार तरीके से मतदाताओं के समक्ष रखी, बिहार में शिक्षा, चिकित्सा जैसी मुलभुत सुविधाओं की बात को जनता के मुद्दे बनाने का प्रयास किया। उन्होंने बिहार को विकसित प्रदेश बनाने की बात कहते हुए बदलाव का नारा बुलंद किया। उनके मिडिया प्रबंधन ने साल भर पहले जन्मे दल को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। बरसो से स्थापित दलों के सामने एक नए नेवले राजनितिक दल का बिहार की राजनीति में चर्चा में आना यह प्रशांत किशोर की राजनितिक सफलता की और इशारा करती है। चुनावी पराजय को आदर के साथ स्वीकार करना, फिर जनता की अदालत में जाना की बातें प्रशांत किशोर के आगामी समय की रणनीतिक समझ का हिस्सा माना जा सकता है। बिहार के चुनावी महासमर में महज बिहार ही नही देश की जनता में भी ईमानदार छवि के नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने जैसे विषयों पर बात हुई। राजनीति के अपराधीकरण पर जोरदार बहस हुई जनमानस से यह विषय रूबरू हुए। यह एक नये दल और उसके नेता की राजनितिक उपलब्धि के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। वर्तमान दौर की राजनीति में जनता को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर चनावी सफलता प्राप्त करने का चलन बढ़ता जा रहा है। बिहार चुनाव में सफलता पर सवार एनडीए भी इसी तात्कालिक आर्थिक लाभ पर सवार होकर विजय का जश्न बना रही है। उन्हें जीत की खुशी मनाने का अधिकार है। किंतु बिहार में प्रशांत किशोर की राजनितिक आमद का प्रभाव पड़ रहा है आगामी समय में जन सूराज एवं उसके नेता प्रशांत किशोर बिहार की जनता को प्रभावित करेगी ऐसा दिखाई दे रहा है। बिहार में गांधी की शैली पर चलने वाला एक नेता उदय हो रहा है। जो चुनावी पराजय के बाद भी मौन व्रत रखकर जनता से जुड़ने की बात कह रहा है, जो अपनी 90 फीसदी सम्पति दान करने की बात कर रहा है। बिहार की उपजाऊ जमीन ने देश को कई राजनैतिक चरित्र दिए है। प्रजातंत्र को मजबूत करने वाली लड़ाई का केंद्र भी बिहार रहा। सफलता संघर्षो से मिलती है प्रशांत किशोर बिहार के राजनैतिक जगत के धूमकेतु सिद्ध होंगे। उनकी असफलता को एक अच्छी शुरूवात के नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस

(पवन वर्मा-विभूति फीचर्स)

मध्यप्रदेश की कानून-व्यवस्था पर पिछले कुछ दिनों से उठ रहे सवालों ने अंततः सत्ता के शीर्ष को हिला दिया है। मंगलवार रात को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अचानक पुलिस मुख्यालय पहुँचना, और वहाँ दिए गए तीखे तेवरों वाले निर्देश,यह साफ कर गए कि सरकार अब चेतावनी की मुद्रा में नहीं, बल्कि कार्रवाई के मोड में है। मध्यप्रदेश के रायसेन व भोपाल में हुई हालिया आपराधिक घटनाएँ भले अलग-अलग प्रकृति की हों, पर एक बात दोनों में समान थी, राज्य की पुलिस व्यवस्थाओं पर सीधे सवाल। रायसेन में जो कुछ हुआ, वह केवल किसी स्थानीय तंत्र की चूक नहीं थी, बल्कि कानून-व्यवस्था पर एक गंभीर धब्बा था। सबसे वीभत्स घटना गौहरगंज की रही, जहाँ छह साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म ने न केवल ज़िले, बल्कि पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया। यह वह बिंदु था, जहाँ मुख्यमंत्री का धैर्य टूटा और उनका रुख स्पष्टतः कड़ा हो गया।

मुख्यमंत्री की नाराजगी सिर्फ शब्दों तक नहीं रही। रायसेन एसपी को तत्काल प्रभाव से हटाकर उन्होंने पुलिस महकमे को एक ठोस और निर्विवाद संदेश दिया कि ह्लसुरक्षा में असफलता की कोई गुंजाइश नहीं, और ऐसी असफलता का मूल्य पद से चुकाना होगा।ह्व यह निर्णय केवल एक अधिकारी का तबादला भर नहीं है, यह उन सभी जिलों के लिए संकेत है जहाँ अपराधियों का मनोबल पुलिस की सुस्ती से बढ़ने लगा है। गौहरगंज कांड पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया में वह बेचैनी साफ झलकती है, जो किसी भी जागरूक शासन प्रमुख में होनी चाहिए। छह साल की बच्ची के साथ हुई यह अमानवीय वारदात केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि राज्य की सामूहिक सुरक्षा प्रणाली की परीक्षा भी है। मुख्यमंत्री ने इसे पुलिस की ञ्निगरानी की विफलताञ् करार दिया, जो मुख्यमंत्री की एक सही और आवश्यक टिप्पणी थी। क्योंकि यह प्रश्न लंबे समय से अनुत्तरित है कि छोटे जिलों में इस प्रकार की घटनाएँ अचानक कैसे बढ़ रहीं हैं, और अपराधी अवसर कैसे पा रहे हैं? राजधानी भोपाल की घटनाओं पर भी मुख्यमंत्री ने सख्ती दिखाई। राजधानी में बढ़ती लापरवाही का अर्थ पूरे प्रदेश के लिए खतरे का संकेत है। राजधानी वह आइना है जिसमें सरकार की प्राथमिकताएँ और पुलिस की सतर्कता स्पष्ट दिखती है। यह बात मुख्यमंत्री ने मीटिंग में साफ कर दी है कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था अनुकरणीय होनी चाहिए, असुरक्षा का प्रतीक नहीं। मुख्यमंत्री के तेवरों का सार एक ही था, कि अपराध रोकना अब पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, केवल अपराधियों को पकड़ लेना ही उसका काम नहीं है। यह सोच वर्षों से चली आ रही उस कार्यशैली को भी चुनौती देती है जिसमें पुलिस प्रायः ह्यघटना के बाद की कार्रवाई पर जोर देती रही है, रोकथाम पर नहीं। मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण स्वागत योग्य है, क्योंकि अपराधियों का मनोबल तब तक नहीं टूटता, जब तक उन्हें यह भरोसा रहता है कि पुलिस की चौकसी में कहीं न कहीं ढील है। रायसेन एसपी का हटाया जाना आने वाले समय के लिए एक निर्णायक मोड़ होगा। यह पुलिस कप्तानों और जिलों के अधिकारियों को यह समझा रहा है कि अब आंकड़ों की रिपोर्ट नहीं, जमीन पर ठोस नतीजे मायने रखेंगे। महिलाओं की सुरक्षा, बच्चों की सुरक्षा और संगठित अपराधों पर नियंत्रण,इन मोर्चों पर सरकार अब प्रत्यक्ष निगरानी करेगी और लापरवाही की कीमत तुरंत चुकानी पड़ेगी। इस पूरी घटना का बड़ा संदेश यह है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव अब कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर राजनीतिक जोखिम लेने को भी तैयार हैं। प्रशासनिक फेरबदल हो या सख्त निर्णय,वे यह दिखा रहे हैं कि अपराध के प्रति शून्य-सहनशीलता केवल नारा नहीं, बल्कि क्रियान्वयन का सिद्धांत होगा। प्रदेश की जनता यही चाहती है कि शासन की संवेदनशीलता सिर्फ बयान या दौरे तक सीमित न रहे, बल्कि धरातल पर महसूस हो। जिस तरह रायसेन की मासूम बच्ची की वेदना ने सबको झकझोरा, उसी तरह मुख्यमंत्री की कार्रवाई ने पुलिस तंत्र को जगाया है। यह जागरण तभी सार्थक होगा जब हर जिले में अपराधियों के मन में यह भय जन्म ले कि इस सरकार में गलती की नहीं, अपराध की सोच की भी सजा है। मध्यप्रदेश आज कानून-व्यवस्था के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री का यह लौह-मुष्टि वाला रुख उम्मीद जगाता है कि आने वाला समय अपराधियों के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित होगा। (विभूति फीचर्स)

संविधान दिवस पर स्कूली बच्चों को नोटबुक वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के केडीएमसी ड प्रभाग कार्यालय स्थित डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ज्ञान केंद्र में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वभूषण डॉ.बाबासाहब आंबेडकर स्मारक समिति की तरफ से समिति के कार्याध्यक्ष एवं शिवसेना विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के हाथों स्कूली विद्यार्थियों में नोटबुक वितरण की गई। इस मौके पर समिति के संस्थापक अध्यक्ष अन्ना रोकड़े, अध्यक्ष देवचंद अंबादे, सचिव सुमेध हुमने, उपाध्यक्ष राजेंद्र नितनवरे, सहित अन्य पदाधिकारी एवं बाबासाहब के अनुयायी उपस्थित थे। नोटबुक वितरण से पहले स्कूली विद्यार्थियों ने संविधान का महत्व समझाने के लिए एक नाटक प्रस्तुत किया। डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने संविधान में जो मौलिक अधिकार दिए हैं, उन मौलिक अधिकारों को लेकर जनजागृति की गई। महेश गायकवाड़ ने भी अपने भाषण के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान का महत्व समझाने का प्रयास किया। प्रत्येक वर्ष संविधान दिवस पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करने का काम किया जाता है।

विजन मार्शल अकाडमी हैदराबाद द्वारा किक चैलेंज में लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में भिवंडी के प्रतियोगियों की मुख्य भूमिका

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। तेलंगाना राज्य के हैदराबाद स्थित सरूर नगर इंडोर स्टेडियम में विजन मार्शल आर्ट अकाडमी द्वारा आयोजित किक चैलेंज प्रतियोगिता में इतिहास रचते हुये लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज कराने में बड़ी उपलब्धि हासिल किया है। बतादें कि इस प्रतियोगिता में देश भर से 900 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था और 30 मिनट में 852400 किक्स लगाकर लिम्का बुक में नाम दर्ज कराया है। इससे पूर्व रिकार्ड में786000 किक्स का रिकार्ड में नाम दर्ज था जिसे विजन मार्शल आर्ट अकाडमी ने सहभागी प्रतियोगियों के अद्भुत प्रदर्शन से तोड़ दिया। इस किक चैलेंज प्रतियोगिता में भिवंडी के ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के संस्थापक/अध्यक्ष ग्रैंड मास्टर राजाराम देवासानी के नेतृत्व में संस्था के सचिव ग्रैंड मास्टर अशोक देवासानी , मैनेजिंग डायरेक्टर मास्टर भारत देवासानी , मल्लेश सायन्ना गुडा, धैर्य नाईक, पार्थ पडुरे, वेदांत दलाल, श्रीशा खमकर, अन्वी शुक्ला, रिया सिंह, भार्गवी स्वर्गम, आनंद सोनी, करण जायसवाल आदि टीम के लोगों की मुख्य भूमिका रही है। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथियों में ग्रैंड मास्टर जयंथ रेड्डी, 29 बार गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड धारक वानीपाली श्रीनिवास रेड्डी (अध्यक्ष-भाजपा रंगारेड्डी जिला) अतिथियों द्वारा दिये गये वक्तव्य में कहा कि छात्रों का प्रदर्शन अद्भुत था और छात्रों का अद्वितीय साहस , आत्म विश्वास से परिपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट से मानसिक उत्साह, शारीरिक शक्ति, अनुशासन और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

तनूरा स्वेथा मेनन और सुनील शेट्टी ने शुरू किया एजवेल' – 40 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए भारत का पहला पूर्ण एकीकृत वेलनेस इकोसिस्टम

मुंबई/पटना। सीरियल उद्यमी तनूरा स्वेथा मेनन ने वेलनेस आइकन और फिटनेस चैंपियन सुनील शेट्टी के साथ मिलकर एजवेल की शुरूआत की घोषणा की है। 40 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया यह भारत का पहला समग्र वेलनेस इकोसिस्टम है। इसमें एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स, हेल्दी एजिंग सॉल्यूशन्स और लॉन्गेविटी पर केंद्रित कम्युनिटी प्लेटफॉर्म्स को एक साथ जोड़ा गया है। एजवेल सिर्फ प्रोडक्ट्स का लॉन्च नहीं है, बल्कि सह-संस्थापक तनूरा स्वेथा मेनन, मितलाज और शाहिन फर्झीन के जीवन अनुभवों पर आधारित एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंदोलन की शुरूआत है। उन्होंने भारत में बुजुर्गों की जरूरतें, छूटे हुए अवसर और मौजूदा व्यवस्थाओं की कमियाँ करीब से समझीं और हर परिवार के लिए एकीकृत वेलनेस इकोसिस्टम तैयार किया है। विज्ञान-आधारित न्यूट्रास्यूटिकल्स, डिजिटल वेलनेस कम्युनिटी प्लेटफॉर्म, प्रिवेंटिव हेल्थ सॉल्यूशन्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लिविंग स्पेसेस–इन सभी के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से एजवेल का उद्देश्य उम्र बढ़ने को कमी नहीं, बल्कि जीवन का जश्न मनाने वाला चरण मानने का है।

गोदरेज जर्सी लैक्टोग्राफ फाइंडिंग्स एफवाई 25-26 के अनुसार, 84% उत्तर भारतीय उपभोक्ता दूध को अपनी रोजमर्रा की चाय-कॉफी की आदत से जोड़ते हैं

मंबई/पटना। गोदरेज जर्सी ने ह्यगोदरेज जर्सी इंडिया लैक्टोग्राफ फाइंडिंग्स वित्त वर्ष 25-26 नाम से एक स्टडी जारी की है। इसमें बताया गया है कि भारत में लोग अब दूध किस तरह से और क्यों पी रहे हैं, और उनके दूध पीने का तरीका कैसे बदल रहा है। यह रिसर्च आठ बड़े शहरों में हुई है, जिससे पता चलता है कि दूध लोगों की लाइफस्टाइल के हिसाब से उनकी रोजाना की ज़िंदगी में कैसे फिट हो रहा है। उत्तरी भारत में दूध आज भी रोजमर्रा की आरामदायक आदतों और रूटीन का अहम हिस्सा बना हुआ है। यहां 84% लोग चाय या कॉफी को अपना प्रमुख पौष्टिक पेय मानते हैं, जो गर्म पेय की इस आदत में दूध की अपरिहार्यता को मजबूती से दशार्ता है। 81% उत्तर भारतीय नाश्ते में दूध का सेवन करते हैं, जिससे सुबह का समय सबसे स्थिर खपत का पल बन जाता है। दूध दिनभर भी प्रासंगिक रहता है– 64% लोग बताते हैं कि उन्हें शाम के नाश्ते में भी दूध पसंद है, यानी यह उनके दिन की शुरूआत और अंत - दोनों का हिस्सा है। मौसम भी यहां खपत को प्रभावित करता है। सर्दियों में फ्लेवर्ड दूध की खपत सबसे ज्यादा (करीब 50%) होती है, जो इसे गर्माहट, सुकून और पुरानी यादों से गहरे जुड़ाव का संकेत देती है।

प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय बोईसर का 20 वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। स्वामी विवेकानंद एज्यूकेशन सोसायटी (रजि.) द्वारा संचालित प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय, बोईसर का 20वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन मंगलवार दि. 25 नवम्बर को शाम 6 बजे टीमा मैदान , टाकी नाका , बोईसर (प.) में सम्पन्न हो गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथी तथा गिनी सिल्क मिल्स लिमिटेड, तारापुर के महाप्रबन्धक नीरज पुरोहित ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के युग मे शिक्षा का बड़ा महत्व है और शिक्षा विहीन किसी भी मनुष्य के लिए काला अक्षर भैंस बराबरर वाला मुहावरा आज भी सटीक बैठता है।अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए श्री. पुरोहित ने आगे कहा कि रशिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पीयेगा वही दहाड़ेगा बाबासाहेब आम्बेडकर की यह बात आज भी शतप्रतिशत सही है। श्री.पुरोहित ने विद्यालय को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। दूसरे विशेष अतिथी सूर्यवंशी क्षत्रिय युवक मंडल के अध्यक्ष एवं एसईओ प्रशांत सातवी ने विद्यार्थियों को इतिहास का और अधिक ज्ञानवर्धन करने हेतु महाराष्ट्र के ऐतिहासिक किले और अन्य पर्यटन स्थल दिखाने मे मदद करने का आश्वासन दिया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित नांदगांव के सरपंच तथा उद्योजक समीर मोरे ने अपने सम्बोधन में बच्चो कों शिक्षा देने में उनके अभिभावकों द्वारा कम्पनियों तथा अन्य जगहों पर की जाने वाली मेहनत और पसीने के दृश्य दिखाने की विद्यालय प्रबंधन से अपील की जिससे बच्चो कों उनकी खून पसीने

की कमाई का सदुपयोग करने की प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्षा श्रीमती दर्शना राऊल, सचिव श्रीमती जागृति राऊल, वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेश साहनी, सरावली की पूर्व सरपंच लक्ष्मी चांदने, सामाजिक कार्यकर्ता जनार्दन चांदने तथा बोईसरझपालघर पत्रकार संघ(रजि.)के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मान्यवरों द्वारा दीप प्रज्वलन कर तथा भगवान श्रीगणेश, माँ सरस्वती, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं स्व. प्रबोधनकार ठाकरे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर किया गया। इसके बाद संस्था के पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।कार्यक्रम का विधिवत आयोजन विद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी कु. मानसी राऊल ने किया एवं विद्यालय की प्राचार्या सुषमा भोसले ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की और विद्यालय की भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उपप्राचार्या कृषिका घरत ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को मान्यवरो द्वारा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेलकूद एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का भी इस मौके पर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय का प्रबन्धन मंडल, प्राचार्या,उपप्राचार्या, शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी, विद्यार्थीगण एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन प्रवीणा पाटिल एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया।अंत मे स्वामी विवेकानंद एज्यूकेशन सोसायटी व पंचतत्व सेवा संस्था के अध्यक्ष प्रभाकर राऊल ने सभी अभिभावकों से विद्यार्थियों और विद्यालय की प्रगति हेतु प्रबन्धन को अपना उचित सहयोग देने की अपील की तथा कार्यक्रम कों सफल बनाने हेतु सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

शिवसेना उ.भा. संगठन महाराष्ट्र अध्यक्ष गुलाब दुबे का अयोध्या में सम्मान

ठाणे (उत्तरशक्ति)। राम मंदिर धर्मध्वजारोहण समारोह में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का अयोध्या में जगह जगह स्वागत किया गया. इसी कड़ी में शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन के महाराष्ट्र अध्यक्ष वा शिवसेना प्रवक्ता गुलाब दुबे का अयोध्या एयरपोर्ट पर सत्कार किया गया. संगठन के उत्तर प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी के नेतृत्व में सभी कार्यकताओं ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ के गुलाब दुबे का स्वागत किया . इस अवसर पर गुलाब दुबे ने कार्यकताओं को समारोह में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा सत्कार करने का मार्गदर्शन और निर्देश दिया. दुबे ने कहा कि बहु प्रतीक्षित राम मंदिर धर्म ध्वजारोहण पूर्ण होने से पूरा देश प्रफुल्लित है. भगवान राम के चरणों में अपनी आस्था प्रकट करने के लिए कई प्रांतों के लोग इकट्ठा हुए.

डहाणू में सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण से मिली स्वस्थ समाज निर्माण की प्रेरणा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के डहाणू तहसील के नरपड़ गाँव में स्थित एम.के. जूनियर कॉलेज, चिंचणी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित विशेष श्रमसंस्कार आवासीय शिविर में सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। ह्यसुदृढ़ व संस्कारित बालक द्वारा मजबूत समाज निर्माणह्ल इस मुख्य उद्देश्य के साथ आयोजित इस उपक्रम में शिविरार्थी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रशिक्षण सत्र में सूर्य नमस्कार प्रशिक्षक प्रो. सुधीर भांडवलकर ने श्रव्य-दृश्य माध्यमों की सहायता से सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का प्रात्यक्षिक प्रदर्शन करते हुए इनके वैज्ञानिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित सूर्य नमस्कार से शारीरिक तंदुरुस्ती बढ़ती है, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र एवं नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा तनाव दूर कर मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने में भी यह अत्यंत लाभकारी है। वहीं प्रो. राजेंद्र जाधव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि सूर्य नमस्कार मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी, मनगट व पूरे शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, जिससे विद्यार्थियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। शिविर में सहभागी छात्र शिवम मिश्रा ने भी अपने अनुभव व्यक्त करते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार अपनाने से आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि होती है।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों से इसे दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. एकनाथ पाटील, प्रो. स्वज्वल राऊत सहित कुल 41 शिविरार्थियों ने सहभाग दिया। संचालन प्रतिक्षा मौले ने किया और आभार प्रदर्शन गुंजन मडवे ने किया। स्वास्थ्य, ऊर्जा और अनुशासन का संदेश देते इस उपक्रम की सभी उपस्थितों ने सराहना की।

नरपड़ शिविर में छात्रों का उत्साहपूर्ण सहभाग

जॉयस्टिक जंगल गेम जोन पर पुलिस का छापा, तीन आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चिंचपाड़ा रोड पर 'जॉयस्टिक जंगल' गेम जोन पर छापा मारते हुवे 8 नाबालिग लड़के-लड़कियां कंप्यूटर पर गेम खेलते हुए मिले। वहां ग्राउंड फ्लोर पर एक बंद प्राइवेट रूम भी पाया गया जिसमें न रोशनी थी, न वेंटिलेशन, न फायर सेफ्टी उपकरण और न ही सीसीटीवी कैमरे। सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी करते हुए यह गेम जोन क्लासेस और ट्यूशन के नाम पर नाबालिग बच्चों को अंदर प्रवेश देता था।

पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों–पृथ्वीराज राजा चवान

(27), श्रीराम राजा चवान (25) और अमित उदाराम सोनवणे (20)–को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी अतुल झेंडे अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले ऐसे गेमिंग जोन्स पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कांग्रेस के ज़िलाध्यक्ष पद पर राजाभाऊ पातकर की नियुक्ति

◆केडीएमसी में महापौर बनाने में कांग्रेस होगी किंगमेकर–राजाभाऊ पातकर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस के कल्याण-डोंबिवली ज़िलाध्यक्ष सचिन पोटे ने अपने ज़िलाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद इस पद पर राजाभाऊ पातकर की नियुक्ति की गई है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एड. गणेश पाटिल ने यह नियुक्ति की है तथा इस संबंध में नियुक्ति पत्र पातकर को भेजा गया है। आगामी समय में सभी कार्यकताओं को साथ लेकर काम करेंगे और घर-घर तक कांग्रेस पार्टी पहुँचाने के लिए काम करेंगे। वहीं आगामी कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका चुनाव में महापौर बनवाने में कांग्रेस किंगमेकर की

भूमिका में होगी, ऐसा राजाभाऊ पातकर ने कहा। पातकर की नियुक्ति के बाद उनके कार्यालय में कांग्रेस कार्यकताओं ने जश्न मनाया। वही पूर्व जिलाध्यक्ष सचिन पोटे ने कहा कि मैं जिलाध्यक्ष पद से राजीनामा दे रहा हूं कांग्रेस पक्ष से नही - आने वाला समय सचिन पोटे क्या निर्णय लेंगे अभी तक भूमिका स्पष्ट नही है।

पत्रकारों से बातचीत करने पर पातकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए, हमारे जैसे बहुजन समाज के छोटे कार्यकर्ता को पार्टी ने अवसर दिया है। पार्टी द्वारा दिए गए इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए कांग्रेस के पंजे को घर-घर तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस के पूर्व ज़िलाध्यक्ष सचिन पोटे ने भले ही इस्तीफा दिया हो, लेकिन उन्हें और सभी कार्यकताओं को साथ लेकर काम करेंगे। साथ ही कल्याण-डोंबिवली महापालिका में जो महापौर चुना जाएगा, उसमें कांग्रेस किंगमेकर की भूमिका में होगी।

तलासरी पंचायत समिति के वार्षिक कामकाज की समीक्षा बैठक आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर की ओर से तलासरी पंचायत समिति के सन 2021-22 के वार्षिक कामकाज की समीक्षा बैठक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (साप्रवि) इजाज अहमद शरीक-मसलत के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के कार्यों का विस्तृत आढावा लिया गया।

समीक्षा बैठक के दौरान बांधकाम विभाग, ग्रामपाणीपुरवठा, लघु पटबंधारे एवं पीएम आवास योजना अंतर्गत अपूर्ण कार्यों पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि दिसंबर 2025 तक सभी घरकुले 100 प्रतिशत पूर्ण किए जायें। इसके साथ ही तीन महीने से अधिक अवधि से गैरहाजिर कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच प्रस्तावित करने के आदेश भी जारी किये गये। पशुसंवर्धन, कृषि, समाजकल्याण तथा महिला एवं बालकल्याण विभागों को लाभार्थियों

को योजनाओं का लाभ देते समय दुबार नोंदी रोकने हेतु कड़ी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। बैठक में दैनिक प्रशासन को अधिक प्रभावी व त्वरित बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और एआई का उपयोग बढ़ाने पर विशेष मार्गदर्शन उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक-मसलत द्वारा किया गया। इसके अलावा नव नियुक्त तथा पदोन्नत कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में विभागवार प्रलंबित कार्यों की वर्तमान स्थिति, आगामी प्राथमिकताएँ व समाधानात्मक उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न जगहों पर डा.बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर किया गया अभिवादन

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के 18.02.2025 के परिपत्रक के अनुसार व भिवंडी मनपा के प्रशासक/आयुक्त अनमोल सागर के निदेर्शानुसार 26.11.2025 को मनपा मुख्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर संविधान दिवस के अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके ने डा. बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया साथ ही मनपा प्रांगण स्थित डा. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण पुतला पर अतिरिक्त आयुक्त व पूर्व नगरसेवक विकास निकम द्वारा पुष्पहार अर्पण कर अभिवादन किया गया। वहीं उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। साथ ही पुरानी मनपा इमारत के सामने डा. बाबासाहेब आंबेडकर के अर्ध पुतला पर शैलेश दोंदे व प्रभाग समिति क्रमांक 4 के अंजुरफाटा स्थित डा. बाबासाहेब आंबेडकर की अर्ध प्रतिमा पर प्रभाग समिति 4 के कार्यालय अधीक्षक अनिल आव्हाड के शुभ हाथों पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके, उप-आयुक्त (कर) बालकृष्ण शिरसागर, सहायक आयुक्त (चुनाव) अजीत महाडिक, सहायक आयुक्त (कर मूल्यांकन) सुधीर गुरव, समाज कल्याण विभाग के प्रमुख मिलिंद पलसुले, मार्केट विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, उद्यान विभाग प्रमुख निलेश संखे, वाहन विभाग प्रमुख शेखर चौधरी, प्रशांत संखे, मनपा जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी आदि के साथ मनपा के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे।

मुंबई में महिला मित्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति को अपनी महिला मित्र को ब्लैकमेल करके और उसकी अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देकर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। युवती मुंबई के गोरेगांव इलाके में अपने परिवार के साथ रहती थी और आरोपी के नियमित संपर्क में थी। गोरेगांव पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों अक्सर व्हाट्सऐप और फोन कॉल पर घंटों बातें करते थे। उन्होंने बताया कि जब युवती के माता-पिता को इस बात का पता चला, तो उन्होंने उसे दूरी बनाने की सलाह दी, लेकिन वह आरोपी के संपर्क में बनी रही। अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ सप्ताह से युवती गंभीर मानसिक तनाव में थी। उन्होंने बताया कि जब उसकी मां ने उससे पूछताछ की, तो उसने बताया कि आरोपी संजयराज विश्वकर्मा उसे एक दोस्त के कार्यक्रम में ले गया था, जहां उसने उसकी कई तस्वीरें खींची थीं। अधिकारी के अनुसार युवती ने अपनी मां को बताया कि बाद में उसने उन तस्वीरों को संपादित करके अश्लील तस्वीरें बना लीं और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करके पैसे ऐंठने लगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

विधान की भावना को समझना समय की मांग: डॉ. दिलीप कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय, जौनपुर, ने भारतीय संविधान की महत्ता, नागरिक अधिकारों और समकालीन चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की आत्मा और लोकतांत्रिक ढांचे का मूल आधार है। यह केवल अधिकारों का संग्रह नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों का भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। यदि युवा वर्ग संवैधानिक मूल्यों को व्यवहार में उतार ले, तो समाज अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और प्रगतिशील बन सकता है। उन्होंने विधिक सहायता की उपयोगिता, न्यायपालिका की भूमिका और सामाजिक उत्तरदायित्व पर भी विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि संविधान देश की प्रगतिशील चेतना और सामाजिक न्याय की आधारशिला है। विधि छात्रों को संविधान की उद्देशिका, मौलिक अधिकारों तथा कर्तव्यों का गहन अध्ययन कर सामाजिक जागरूकता में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अनुराग मिश्र ने कहा कि संविधान दिवस महज एक आयोजन नहीं, बल्कि उन आदर्शों को स्मरण करने का अवसर है जिन पर हमारे राष्ट्र की नींव रखी गई है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रो. विनोद कुमार, मंगला प्रसाद यादव, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. दिनेश सिंह, श्रीप्रकाश यादव, डॉ. इंद्रजीत सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राहुल कुमार राय, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. राजन तिवारी, डॉ. शुभम सिंह, प्रगति सिंह, जीशान अली सहित अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर, छात्राओं को बताए गए अधिकार और कानून

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के तत्वावधान में आज राजाराम बालिका इण्टर कालेज, धमार्पुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की देखरेख अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर प्रशांत कुमार सिंह ने की शिविर को संबोधित करते हुए प्रशांत कुमार सिंह ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और इसे संविधान की आत्मा बताया। उन्होंने संविधान के लोकतंत्र धर्मनिरपेक्षता गणराज्य समानता बंधुत्व एकता और अखंडता जैसे मूलभूत सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी दी इस अवसर पर उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष डा0 भीमराव अंबेडकर, डा0 बी.एन. राव और अन्य सदस्यों को महान संविधान निमार्ता के रूप में याद किया।

डिप्टी चीफ, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, जौनपुर डा0 दिलीप कुमार सिंह ने छात्राओं को मौलिक अधिकारों और उनके संरक्षण के बारे में जानकारी दी उन्होंने बताया कि भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35) नागरिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करता है, जिनकी रक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। वहीं भाग 4 (अनुच्छेद 36 से 51) राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का परिचय देता है। पैनल अधिवक्ता देवेन्द्र कुमार यादव ने महिलाओं के अधिकारों और राष्ट्रीय एवं जिला विधिक सेवा योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य वंदना मौर्या, मैनेजर डा0 डी.के. मौर्य, अध्यापकगण सुनीता देवी, विभा पाल, अवधेश यादव एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

इसी क्रम में जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार शशि की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर में भी संविधान की प्रस्तावना का पाठन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भी विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संविधान दिवस पर प्रशिक्षु आरक्षियों ने ली शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर रिजर्व पुलिस लाइन में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ ने प्रशिक्षु आरक्षियों को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा व कर्तव्यपरायणता की शपथ दिलाई , कार्यक्रम के दौरान एसपी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता संविधान की नींव हैं, और पुलिस कर्मियों का पहला दायित्व इन मूल्यों की रक्षा करना है। उन्होंने पुलिस सेवा में अनुशासन, ईमानदारी, निष्पक्षता और मानवाधिकारों के सम्मान को सबसे ऊपर बताते हुए कहा कि प्रत्येक आरक्षी को जन-सेवा की भावना के साथ सदैव तत्पर रहना चाहिए ' एसपी डॉ. कौस्तुभ ने प्रशिक्षुओं को यह भी समझाया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और हर परिस्थिति में देशहित को प्राथमिकता देना ही पुलिस बल की असली पहचान है। कार्यक्रम में उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, प्रतिसार निरीक्षक, आरटीसी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण ने भी प्रशिक्षु आरक्षियों को उनके दायित्वों और पुलिस सेवा की गरिमा से अवगत कराया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं संवैधानिक आदर्शों के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ घायल

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को अपने घर से बाइक से क्षेत्र के गुरैनी बाजार जा रहे एक अधेड़ बाइक सवार को तेज रफ्तार बाइक चालक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे गम्भीर रूप से घायल हो गए। उधर तेज रफ़्तार बाइक चालक मौका देकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से खेतासराय कस्बा के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। जानकारी के अनुसार गुरैनी निवासी 65 वर्षीय मोहम्मद सालिम 11 बजे लगभग अपनी बाइक से गुरैनी से चौकियां बाजार जा रहे थे। रास्ते में अचानक सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोहम्मद सालिम अपनी बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद दुर्घटना को अंजाम देने वाला बाइक सवार मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत घटना की सूचना परिजनों को दी गई और उन्हें नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

आपत्तिजनक पोस्ट करने युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को खेतासराय पुलिस टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले एक आरोपित युवक को दबोच लिया। थाने लाकर विधिक कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर क्षेत्र के अब्बोपुर निवासी सन्दीप कुमार पुत्र रामपलट द्वारा एक आपत्तिजनक वीडियों पोस्ट किया था। जिसको बुधवार को अब्बोपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। थाने लाकर आवश्यक कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया।

शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला को मिला साहित्यरत्न सम्मान

साहित्यकार सत्कार:आपके द्वार सम्मान योजना का एक वर्ष पूर्ण

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के तत्वावधान में विगत एक वर्ष से चल रही सम्मान श्रृंखला साहित्यकार सत्कार आपके द्वार को आज एक वर्ष पूरा होने पर वरिष्ठ कवि शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला को उनकी साहित्यिक सेवा के लिए उनके अल्लापुर स्थित आवास पर वरिष्ठ गीतकार डा.वीरेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में साहित्यांजलि प्रकाशन के व्यवस्थापक एवं साहित्यांजलि प्रभा मासिक पत्रिका के मुख्य संपादक एवं भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डाडुभगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में साहित्यरत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में पत्रिका के वरिष्ठ उपसंपादक एवं पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव डाडुयोगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु, उपसंपादक डॉ रामलखन चौरसिया वागीश,पत्रिका के सह-संपादक अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ,शम्भूनाथ श्रीवास्तव शम्भु एवं पं.राकेश मालवीय ,मुस्कान हीरा लाल पाण्डेय ने अंग-वस्त्र, पुष्पहार, स्मृतिचिन्ह एवं साहित्य रत्न प्रमाणपत्र के द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर कवि केडृपीडृगिरि, विवेकसत्यांशु, आयुर्वेदिक डाक्टर. हर्ष चौरसिया भी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अध्यक्ष एवं अन्य अतिथिगण ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण-पुष्पार्पण द्वारा नमन किया। डाडृविश्वबन्धु ने स्वागत उद्बोधन से सभी का स्वागत तथा चौरसिया ने अपने उद्गार प्रकट किये।डाडृउपाध्याय ने कार्यक्रम संचालन के साथ साथ सभी अतिथिगण के प्रति आभार भी प्रकट किया।इस अवसर पर उक्त समस्त कविगण ने अपने-अपने उत्कृष्ट काव्य-पाठ से काव्य-रस की भीनी-भीनी बौछार कर सबके मन-मस्तिष्क को आल्हादित कर दिया जिसमें मुकुल मतवाला ने अपनी पुस्तक मतवालों की मधुशाला के छन्दों से सभी के हृदय में विशेष स्थान बनाया।

विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश अंतर्गत समर्थ पोर्टल पर सुझाव दर्ज कराने में जनपद को मिला प्रथम स्थान

जनपद वासियों के द्वारा दिये गये सकारात्मक सुझाव के लिए जिलाधिकारी ने जताया आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा विकसित भारत-2047 की संकल्पना को साकार करने हेतु राष्ट्रव्यापी स्तर पर नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे। इस पुनीत पहल में जनपदवासियों ने उत्साहपूर्वक अपने अपने सकारात्मक सुझाव दर्ज कराये। जनपद जौनपुर ने सबसे अधिक कुल 8,85,724 सुझाव दर्ज कराते हुए पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद में सबसे अधिक सुझाव कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, ग्राम्य विकास सेक्टर में प्राप्त हुए है। 80 प्रतिशत से अधिक सुझाव ग्रामीण क्षेत्र से प्राप्त हुए है। जनपद के सम्मानित नागरिकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग सहित कुल 12 सेक्टर एवं 3 थीम पर अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव देकर विकसित भारत के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने जनपदवासियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकगणों, स्वास्थ्य कर्मियों, मीडिया बंधुओं सहित समस्त विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जनपदवासियों द्वारा समर्थ पोर्टल पर सक्रिय भागीदारी और मूल्यवान सुझावों से ही यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। यह सफलता प्रशासन एवं आम जनमानस के सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जो पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया है कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को पूर्ण करने में जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनपद के लोगों ने जिस उत्साह और जिम्मेदारी के साथ अपने सुझाव पंजीकृत किए, वह नए भारत के निर्माण में उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने अपील किया कि भविष्य में भी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों में इसी प्रकार सक्रिय सहभागिता जारी रखें। जिलाधिकारी ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जनपद जौनपुर भविष्य में भी इसी प्रकार सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए शासन के संचालित योजनाओं और गरीब असहाय के उत्थान के लिए चलाए जा रहे अभियान में भी अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

खेलो इण्डिया सेण्टर, जौनपुर हेतु खिलाड़ियों का चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में संचालित किये जा रहे एथलेटिक्स के खेलो इण्डिया सेण्टर हेतु नये खिलाड़ियों का चयन व पुराने खिलाड़ी जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है, उनका निष्कासन किया जाना है। प्रशिक्षण शिविर में 15 बालक व 15 बालिका कुल 30 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। खिलाड़ियों का चयन/ट्रायल्स 28 नवम्बर, 2025 को प्रातः 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। इस चयन/ट्रायल्स में भाग लेने वाले 50 प्रतिशत खिलाड़ियों की आयु दिनांक 01 अप्रैल, 2026 को 15 वर्ष तथा एवं 50 प्रतिशत खिलाड़ियों की आयु दिनांक 01 अप्रैल, 2026 को 12 वर्ष से कम होनी चाहिए, वही खिलाड़ी भाग लेने के पात्र होंगे। पुराने चयनित खिलाड़ियों के लिए उक्त आयु सीमा की बाध्यता नहीं होगी। यह योजना उ0प्र0 सरकार एवं खेलो इण्डिया के समन्वय से संचालित की जा रही है। इस चयन/ट्रायल्स उपरान्त चयनित खिलाड़ी बालक/बालिकाओं का ही शिविर संचालित किया जायेगा। चयनित एथलेटिक्स खिलाड़ियों को प्रति वर्ष रू0 3000 का खेल किट प्रदान किया जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी या अभिभावक श्री कृष्ण कुमार यादव 8840918686, पूर्व चैम्पियन एथलीट से स्टेडियम में सम्पर्क कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

कुएं में मिली लाश, बेटे का पिता पर हत्या का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । खेतासराय थाना क्षेत्र के एत्मादपुर गांव में मंगलवार को उस वक्त हडकंप मच गया, जब गांव के पास स्थित एक कुएं में एक महिला की लाश तैरती मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड जुटी रही। मृतका की पहचान 36 वर्षीया गीता देवी पत्नी सतीश कुमार यादव के रूप में हुई। उनका शव घर से करीब 50 मीटर दूर स्थित कुएं में मिला। परिजनों ने महिला की हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने का आरोप लगाया है। बेटों ने अपने पिता द्वारा माँ की हत्या का करने का आरोप लगाया है। मृतका के के तीन बेटे हैं अंशु यादव, प्रांजल यादव और 13 वर्षीय श्रेयांश यादव करता है। 16 वर्षीय बेटे प्रांजल यादव ने बताया कि पिता का गांव की एक महिला से प्रेम संबंध चल रहा था। सोमवार की रात घर में विवाद हुआ, जिसके बाद मां ने बच्चों का कमरा बाहर से बंद कर दिया। हम लोग खाना खाकर सो गए। सुबह उठे तो मां नहीं मिलीं। खोजबीन में पता चला कि कुएं में किसी ने हत्या कर लाश फेंक दी। परिवार का आरोप है कि सतीश कुमार यादव की गांव की एक महिला से संबंध था। इसी को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था। पुलिस ने इन्द्रकला पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की बहन अनीता यादव ने बताया कि इन दोनों में श्वार साल से विवाद चल रहा था। सतीश अक्सर प्रेमिका के चक्कर में गीता से झगडा करता था। चार साल पहले उसने गीता को बहुत बुरी तरह मारा था। हम समझाने गए तो गालियां दीं। हम लोग ही खर्चा चलाते थे। तीन बच्चे हैं, उनके साथ इंसाफ होना चाहिए।

जलालपुर पुलिस द्वारा चार आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक जलालपुर के नेतृत्व में थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर 02 आरोपीगण ,गुलाम रसूल पुत्र स्व. शाह मोहम्मद, निवासी महिमापुर, थाना जलालपुर, जौनपुर, उम्र लगभग 52 वर्ष तथा खेलावन सरोज पुत्र बिहार सरोज, निवासी ग्राम ओईना, थाना जलालपुर, जौनपुर, उम्र 55 वर्ष को क्रमशः 1125 ग्राम नाजायज गाँजा एवं 600 ग्राम नाजायज गाँजा के साथ मझगवां कला नहर–जलालपुर-केराकत मुख्य सड़क, बहद ग्राम मझगवां कला के पास से समय लगभग 22:45 बजे रात्रि में गिरफ्तार किया गया। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 431/25, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। तथा 01 अभियुक्त राज कुमार गौतम उर्फ साहब लाल पुत्र स्व. मुन्नी लाल, निवासी ग्राम बराई, थाना जलालपुर, जौनपुर, उम्र लगभग 59 वर्ष को 01 किलो 250 ग्राम नाजायज गाँजा के साथ पूरेव बैदा नहर पुलिया के पास से समय लगभग 21:30 बजे गिरफ्तार किया गया। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर मु0अ0सं0 430/25, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। व 01 अन्य आरोपी नन्द लाल गौतम पुत्र स्व. रामनाथ, निवासी ग्राम रेहटी उसरहिया, थाना जलालपुर, जौनपुर, उम्र लगभग 59 वर्ष को 01 किलो 20 ग्राम नाजायज गाँजा के साथ समय लगभग 21:40 बजे, त्रिलोजन बाजार मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर मु0अ0सं0 429/25, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

संवैधानिक मूल्यों के पालन की दिलाई गई शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में बुधवार को संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह आयोजन डॉ. अंबेडकर छात्रसंघ द्वारा परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का पाठ कराते हुए संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समानता और बंधुत्व की भावना का जीवंत प्रतीक है। मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की रीढ़ है, जो नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात कर भारत को प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में योगदान दें। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में संविधान ने नागरिक चेतना को दिशा दी है। संविधान दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम किस प्रकार अपने अधिकारों का संरक्षण और दूसरों के अधिकारों का सम्मान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया विद्यार्थियों को संविधान के मूल भाव को समाज तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। दतोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के निदेशक प्रो. विनोद गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान जीवंत दस्तावेज है, जो समय और परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को परिवर्तित करने की क्षमता रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे विधि और लोकतंत्र के मूल तत्वों को समझें तथा न्यायसंगत समाज निर्माण के लिए कार्य करें। डॉ. अंबेडकर छात्रसंघ के गौरव कुंद्रा ने बाबा साहेब के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह का संचालन अक्षय प्रताप और धन्यवाद ज्ञापन अंकुर सोनकर ने किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज पांडेय, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ. राहुल राय, अजीत कुमार, शुभम गौतम, मूलचंद गौतम, मोनू कुमार, बीरू गौतम, दीपू गौतम, शिवम कुमार, रवि कुमार, खुशी कन्नोजिया आदि लोग उपस्थित थे।

असि और वरूणा नदी के किनारे भी बनेगा फ्लड जोन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद वाराणसी गंगा के बाद अब असि और वरूणा नदी के किनारे भी फ्लड जोन बनाया जाएगा। सर्वे फ इंडिया (एसआई) के सर्वे के आधार पर राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच रूड़की) इन नदियों के किनारे फ्लड जोन तय करेगा। इसके बाद पिलर और साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। एनजीटी की पहल पर राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान ने हरिद्वार से बलिया तक गंगा में फ्लड जोन घोषित किया है। सर्वे आफ इंडिया अब गंगा की सहायक नदियों वरूणा और असि नदी के आठ किलोमीटर के दायरे में सर्वे कर रही है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सर्वे के लिए सिंचाई विभाग ने एसआई को 81 लाख रुपये दिए हैं। सर्वे के आधार पर वरूणा और असि के किनारे फ्लड जोन निर्धारित किए जाएंगे।

ट्रेलर ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, दो की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार के निकट खड़े ट्रैक्टर में ट्रेलर ने मारी टक्कर ट्रैक्टर चालक समेत दो की मौत। यह दुर्घटना मंगलवार रात्रि लगभग 12:30 बजे की है। सुजानगंज थाना क्षेत्र के साड़ी कला गांव निवासी विनोद कुमार उपाध्याय अपने ट्रैक्टर पर गांव से ही पूवाल लादकर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कंधरपुर के लिए आ रहे थे। पूवाल खरीदने गए कंधरपुर गांव निवासी बेचू राम सरोज 55 वर्ष और इस ट्रैक्टर पर उनका लड़का जितेंद्र सरोज उम्र लगभग 30 वर्ष सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। फतेहगंज बाजार के पास ट्रैक्टर रोककर चालक विनोद कुमार उपाध्याय उम्र लगभग 55 वर्ष पहिया चेक कर रहे थे। उनके साथ बेचू सरोज भी खड़े होकर देख रहे थे। जौनपुर की तरफ से जा रहे ट्रेलर ने जाकर धक्का मार दिया। धक्का इतना जबरदस्त था कि तीनों फुटबॉल की तरह उछल गए। रात्रि लगभग 12:30 बजे घटित घटना के बाद काफी देर तक तीनों सड़क के किनारे पड़े हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रेलर को चालक सहित अपने कब्जे में ले लिया है। तीनों घायलों को पुलिस द्वारा तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सक ने विनोद और बेचू सरोज को मृत घोषित कर दिया। बेचू सरोज के पुत्र जितेंद्र सरोज को गंभीर अवस्था में देखकर ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया है। दूसरी तरफ पुलिस ने ट्रैक्टर चालक बेचू की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बैंक से लौट रहे वृद्ध के 50 हजार रुपये उड़ाए, जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा कस्बे में दोपहर दो उचक्कों ने एक वृद्ध को अपना शिकार बनाया और 50 हजार रुपये ले उड़े । उन्हें कागज की गड्डी पकड़ाकर रुपये लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस छानबीन में जुटी रही। कैथौली निवासी 70 वर्षीय चंद्रमोहन तिवारी बैंक से नकदी निकालकर घर लौट रहे थे। उन्होंने 50 हजार रुपये झोले में रखकर उसे साइकिल के हैंडल पर टांग लिया था। इसी बीच उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे दो युवक पीछा करते हुए मौके पर पहुंच गए। जैसे ही चंद्रमोहन तिवारी पिंडरा कस्बे के पास पहुंचे, एक युवक उनसे बातचीत में उलझाने लगा। बातों ही बातों में उसने उनका ध्यान भटकाया और तभी दूसरा युवक चुपके से आगे बढ़कर झोले को उतारने लगा। वृद्ध द्वारा विरोध जताने पर वह युवक तुरंत झोला वापस थमा कर वहां से निकल गया। चंद्रमोहन को उस समय शक नहीं हुआ और वे झोला लेकर घर पहुंचे और घर पहुंचकर जब उन्होंने झोले में रखे सामान की जांच की तो उनके होश उड़ गए। नकदी की जगह उसमें सफेद कागज की गड्डी भरी हुई थी। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने तुरंत परिजनों को घटना की जानकारी दी और फिर फूलपुर थाने पहुंचकर तहरीर दी।

बीएलओ ड्यूटी के दबाव में शिक्षक की मौत, अजय राय ने सरकार-ईसी पर बोला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोण्डा जिले में बीएलओ ड्यूटी पर तैनात जौनपुर निवासी शिक्षक बिपिन यादव का शव जब उनके पैतृक गांव पहुंचा तो पूरे इलाके में कोहराम मच गया। परिवारजन का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में भी गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी जौनपुर स्थित दिवंगत शिक्षक के आवास पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की और हर संभव मदद का भरोसा दिया। मालूम हो कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मल्हनी गांव के निवासी विपिन यादव गोण्डा जिले में सहायक अध्यापक पर तैनात थे, उनकी ड्यूटी एसआईआर के लिए बीएलओ पर तैनात थे , कल उन्होंने जहर खाकर आत्महत्या कर लिया, आरोप है कि वहां के एसडीएम, तसीलदार और बीडीओ उन पर पिछड़ी जातियों का वोट काटने का दबाव बना रहे थे। परिवार से मिलने के बाद अजय राय ने भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर पिछड़ी जातियों का वोट काटने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी अत्याचार, दबाव और तनाव के कारण शिक्षक आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है। अजय राय ने कहा कि सरकार की दमनकारी नीतियों और चुनाव आयोग की लापरवाही का खामियाजा कर्मचारी, शिक्षक और बीएलओ भुगत रहे हैं। उन्होंने मांग की कि घटना की निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और बीएलओ ड्यूटी में मनमाने दबाव को तुरंत रोका जाए। गांव में मौजूद मृतक के साले प्रतीक यादव ने भी बताया कि बीएलओ ड्यूटी के नाम पर अत्यधिक कार्यभार और दबाव के चलते शिक्षक बिपिन यादव दिनों से परेशान चल रहे थे। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रमोद के सिंह, नगर अध्यक्ष आरिफ खान, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू विकेश उपाध्याय विक्की, पंकज सोनकर, शाहनवाज मंजूर, शिवेंद्र सिंह, ब्लाक अध्यक्ष अरविन्द यादव समेत कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

नाली निर्माण को लेकर हंगामा

शाहगंज, जौनपुर उत्तरशक्ति)। नगर के शाहपंजा मोहल्ले में बुधवार की सुबह नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे नाली के नव-निर्माण कार्य को लेकर भारी हंगामा खड़ा हो गया। जेसीबी द्वारा पुरानी नाली तोड़े जाने पर स्थानीय लोगों ने विरोध जताते हुए काम रुकवा दिया। इस दौरान मौके पर पहुंचे सभासद और मुहल्लेवासियों के बीच तीखी बहस भी हुई। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका की ओर से ठेकेदार के माध्यम से जेसीबी मशीन द्वारा पुरानी नाली तोड़ी जा रही थी, ताकि नई नाली का निर्माण कराया जा सके। ठेकेदार ने लगभग दस घरों तक नाली को ध्वस्त भी कर दिया। इसी प्रक्रिया में नगर पालिका की जलापूर्ति लाइन भी टूट गई, जिससे कई घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। पुरानी नाली टूटने पर मुहल्लेवासियों ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि मोहल्ले में अगले एक सप्ताह में लगभग छह शादियाँ हैं। ऐसे समय में नाली और सड़क का उखाड़-पछाड़ होना लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनेगा। उन्होंने मांग की कि शादी-विवाह संपन्न होने के बाद ही नाली निर्माण शुरू कराया जाए। विवाद की जानकारी पर मौके पर पहुंचे एक सभासद से भी लोगों की तीखी नोकझोंक हो गई। बढ़ते विरोध को देखते हुए नाली ध्वस्तीकरण का कार्य तत्काल रोक दिया गया। उधर, नाली के साथ नगर पालिका की पाइपलाइन टूटने से लगभग एक दर्जन घरों में पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे लोगों में नगरपालिका के प्रति नाराजगी साफ झलक रही है।

नाबालिक लड़की को वेश्याव्यवसाय में धकेलने वाली मां को मुंबई क्राइम ब्रांच की टिम ने किया गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई अल्ळ्ठ (क्राइम ब्रांच) की टिम को एनजीओ से खबर मिली कि, मुंबई के घाटकोपर वेस्ट में एक मां अपनी नाबालिक लड़की से देहव्यापार करवा रही हे। क्राइम ब्रांच की टीम ने मां को गिरफ्तार करके एक 17 साल की नाबालिक लडकी को वेश्याव्यवसाय से रेस्क्यू किया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है कि 17 साल की नाबालिक लडकी को कितने ग्राहकों के साथ देहव्यापार के लिए मां ने और उसके पुरुष साथी दार ने भेजा है। पुलिस गिरफ्तार मां और वांटेड पुरुष साथीदार के उपर पीटा ,पोक्सो और रेप की धाराओं के तहत कानूनी कारवाई कर रही हे व 17 साल की माइनर लडकी को सुरक्षित महिला सुधाकर गृह भेजने की प्रक्रिया कर रही है।

बकाए का बिजली डिस्कनेक्शन करने गए मिस्त्री की स्पर्शगत से मौत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल के भीखाबांध गांव में एक फैक्टरी पर भारी भरकम रकम बकाया था। बार-बार नोटिस कर बिजली विभाग द्वारा बिजली बिल जमा करने का आगाह किया गया था, लेकिन फैक्ट्री मालिक द्वारा बिजली बिल जमा नहीं किया गया। जिससे अजीज आकर बिजली विभाग उक्त फैक्टरी का बिजली कनेक्शन काटने के लिए भिखाबाध पहुंच गए। पटेढ़ी गांव से 11 केवी का लाइन डिस्कनेक्ट कर दिया गया था। बिजली मिस्त्री भीखाबाध गांव पहुंच कर बिजली डिस्कनेक्ट करने के लिए चढ़ गया। उसी दौरान बिजली मिस्त्री को बिजली का झटका लग गया, जिससे शिकटीया गांव निवासी चंद्रिका प्रसाद का 35 वर्षीय पुत्र दिलीप कुमार को महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जिसको डॉक्टरों द्वारा जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया।

सिद्धवड में उपधान 385 माला-रोपण प्रसंग पर छह हजार की जनमेदनी

पालिताणा, सिद्धवड। शत्रुंजय महातीर्थ की तलहटी में स्थित पावनभूमि सिद्धवड में शुक्रवार को उपधान मोक्ष-माला-रोपण का प्रसंग धार्मिक आस्था और विशाल भक्त उपस्थिति के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। विधिवत प्रारंभ हुए 385 मोक्ष महामाला आरोहण प्रसंग में छह हजार से अधिक श्रावकश्राविकाओं की उपस्थिति रही। श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक अवसर का पूर्ण अनुशासन और भक्तिभाव के साथ लाभ लिया।इस दर्शनीय प्रसंग में उपधान तप के नियमों अनुसार पारायण, पूणार्हुति कार्यक्रम तथा धार्मिक आराधनाओं के साथ मौनझसाधना का सुंदर उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा यजमान चंदन परिवार के श्री पंकजभाई के. शाह को चातुर्मास पर्व में अनोखी मौनझशिबिर आयोजन के लिए प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। हाल ही में सिद्धवड तीर्थ में चातुर्मास के दौरान 1100 से अधिक साधकों ने 50 दिनों तक आध्यात्मिक आराधना के साथ मौन-व्रत का पालन किया था और इस अवधि में मोबाइल फोन का भी त्याग किया था। यह मौन-व्रत चातुर्मास इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। इस चातुर्मास पर्व और शिबिर के लाभार्थी श्री पंकजभाई शाह का परिवार था। सिद्धवड तीर्थ में 9 जुलाई से 27 अगस्त तक निज-में-निवास चातुर्मास आयोजित हुआ जिसमें 1100 साधकों ने प्रतिदिन औसतन 22 घंटे का मौन रखा था। दूसरे शब्दों में कहें तो साधकों ने 50 दिनों में कुल 12 लाख 10 हजार घंटे का मौन रखा। यदि दिनों में गणना करें तो यह 50,416 दिनों के मौन के बराबर है, और मिनटों में यह संख्या 7.26 करोड़ मिनट होती है। एक व्यक्ति प्रतिदिन औसतन 15 हजार शब्द बोलता है – इस प्रकार इन साधकों ने 50 दिनों में लगभग 83 करोड़ से अधिक शब्दों को विराम दिया। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने एक साथ सबसे बड़े समूह द्वारा एक समय में मौन-व्रत धारण करने की श्रेणी में यह एवार्ड प्रदान किया है।

एचडीएफसी बैंक, कांतार ब्रांड्स की इंडिया के सबसे वैल्यूएबल ब्रांड्स 2025 की लिस्ट में नंबर 1 पर

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के लीडिंग प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक को कांतार ब्रांड्स की टॉप 100 सबसे वैल्यूएबल इंडियन ब्रांड्स रिपोर्ट के अनुसार देश का सबसे वैल्यूएबल ब्रांड माना गया है। यह वैल्यूएशन बैंक के डिजिटल इनोवेशन और कस्टमर-सेंट्रिक स्ट्रेटेजी के प्रति कमिटमेंट की वजह से है। एचडीएफसी बैंक की ब्रांड वैल्यू 2024 में 38.3 बिलियन डॉलर से 18 परसेंट बढ़कर 44.9 बिलियन डॉलर हो गई। 2014 में जारी पहली ब्रांड्स इंडिया रिपोर्ट के बाद से इसमें 377 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के 12 सालों में से आठ सालों में बैंक को नंबर 1 रैंक मिला है। अपने एडिटोरियल में कांतार ने कहा, एचडीएफसी बैंक की ग्रोथ लगातार इनोवेशन और कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नई टेक्नोलॉजी में इन्वेस्टमेंट से हुई है, जिसमें विजिल आंटी का लॉन्च भी शामिल है, जो इसका सुपरहीरो-स्टाइल वाला पसोर्ना है जिसे यूजर्स को फाइनेंशियल फ्रॉड के बारे में एजुकेट करने के लिए डिजाइन किया गया है। डिजिटल बैंकिंग के लिए मजबूत कमिटमेंट के साथ, एचडीएफसी बैंक भारत में ब्रांड लीडरशिप के लिए स्टैंडर्ड सेट करना जारी रखे हुए है। रैंकिंग पर कमेंट करते हुए, एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड (ब्रांड, रिटेल मार्केटिंग और कस्टमर एनालिटिक्स) और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, रवि संथानम ने कहा, हमें कांतार द्वारा देश के टॉप ब्रांड के रूप में पहचाने जाने पर खुशी है।

क्लोरीन सिलेंडर लीकेज मामले में डिप्टी इंजीनियर पर कार्रवाई की मांग तेज

वसई। वसई रोड मंडल भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष महेश सरवणकर ने वसईझविरार महानगरपालिका के कमिश्नर से वसई के दीवानमन क्षेत्र में हुए क्लोरीन सिलेंडर लीकेज की घटना की व्यापक जांच कराने और जल आपूर्ति विभाग के डिप्टी इंजीनियर सुरेंद्र ठाकरे समेत संबंधित नगरपालिका अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वार्ड समिति एच के अंतर्गत दीवानमन श्मशान घाट के पास स्थित पानी की टंकी के नीचे रखा क्लोरीन सिलेंडर लीक होने से आस-पास के 15 से 20 लोग प्रभावित हुए। गंभीर रूप से प्रभावित एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है। स्थानीय नागरिकों में इस घटना को लेकर बड़ी चिंता देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि घटना वाला क्लोरीन सिलेंडर कई वर्षों से पानी की टंकी के नीचे रखा हुआ था। इसी को लेकर कई सवाल उठे हैं। महेश सरवणकर का कहना है कि विविएमसी जल आपूर्ति विभाग के डिप्टी इंजीनियर सुरेंद्र ठाकरे विभागीय प्रशासन और ठेकेदारों पर नियंत्रण रखने में विफल रहे, जिसके कारण यह गंभीर घटना हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग का प्रबंधन ढीला और लापरवाह रहा है। सरवणकर ने बयान जारी करते हुए कहा कि क्लोरीन लीकेज एक गंभीर लापरवाही का मामला है और इसके लिए जिम्मेदार हर अधिकारी व कर्मचारी पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कमिश्नर से विस्तृत जांच समिति गठित करने और दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाने की मांग की है।

वसई रोड में संभावित हादसा टला, एड. जितेंद्र पांडे के त्वरित प्रयासों की सराहना

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम स्थित वर्तक कॉलेज एवं जय श्रीराम जूस सेंटर के पास फुटपाथ पर बनी नाली की पुलिया कई दिनों से टूटी हुई थी। इस कारण स्थानीय लोगों में हादसे की आशंका बढ़ गई थी–विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के गिरने का खतरा बना हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संघर्षशील विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित के मार्गदर्शन में नगर निगम एवं संबंधित ठेकेदार से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता एड. जितेंद्र पांडे ने समय निकालकर मौके का निरीक्षण किया और प्रशासन से संपर्क कर जल्द से जल्द पुलिया की मरम्मत करवाई, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई। मरम्मत पूरी होने के बाद आसपास के रहवासियों ने एड. जितेंद्र पांडे के इस त्वरित और सराहनीय प्रयास के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

सीएफए इंस्टीट्यूट ने मुंबई में फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क राउंडटेबल का आयोजन किया

मुंबई। निवेश विशेषज्ञों की वैश्विक संस्था सीएफए इंस्टीट्यूटने मुंबई में फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (एफआईएन) राउंडटेबल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के अनुभवी प्राध्यापक और रिसर्चर एक साथ आए। राउंडटेबल में एकेडमिक रिसर्च और उद्योग के अनुभव को एक साथ लाकर भारत में वित्तीय शिक्षा को कैसे और मजबूत बनाया जा सकता है इस बात पर चर्चा की गई।

यह सत्र ब्रिंगिंग द गैपः रिसर्च इन इंडस्ट्री वर्सेज रिसर्च इन एकेडेमिया विषय पर आधारित था। जो सीएफए इंस्टीट्यूटके कैपिटल मार्केट्स पॉलिसी इंडिया के डायरेक्टर पंकज शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पंकज शर्मा भारत में ऑर्गनाइजेशन के रिसर्च, नीतियों और कैपिटल मार्केट पॉलिसी से जुड़े उपक्रमों का नेतृत्व करते हैं। उनका मुख्य फोकस कॉपोरेंट गवर्नेंस, ईएसजी और मार्केट में नए इनोवेशन पर है। पंकज शर्मा आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने फाइनेंस में एमबीए किया है। उन्होंने ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंकों, भारतीय ब्रोकरेज कंपनियों और रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स में काम किया है। इसी अनुभव के कारण वे उद्योग में होने वाले रिसर्च और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ती दूरी को अच्छी तरह समझते हैं और बता सकते हैं कि इस अंतर को कैसे कम किया जा सकता है। राउंडटेबल में बोलते हुए सीएफए इंस्टीट्यूटके कैपिटल मार्केट्स पॉलिसी इंडिया के डायरेक्टर पंकज शर्मा ने कहा, उद्योग और शिक्षा जगत आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं और दोनों एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज का वित्तीय क्षेत्र तेजी से बदल रहा है-नई तकनीक, कड़े नियम और वैश्विक जुड़ाव इसके प्रमुख कारण हैं। छात्रों और शिक्षकों को प्रासंगिक बने रहने के लिए वास्तविक समय की जानकारी, व्यावहारिक केस स्टडीज और मजबूत शोध उपकरणों तक पहुंच की आवश्यकता है। राउंडटेबल पर अपने विचार साझा करते हुए सीएफए इंस्टीट्यूटके सीनियर यूनिवर्सिटी रिलेशंस स्पेशलिस्ट सैम फकीह ने कहाः शिक्षक वित्त क्षेत्र की बुनियाद तैयार करते हैं, खासकर तब जब उद्योग तेजी से बदल रहा हो, तब उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस चर्चा के बाद भी सीएफए इंस्टीट्यूट मुंबई के संस्थानों को उनके पाठ्यक्रम और रिसर्च को वैश्विक बाजार की जरूरतों के अनुसार बदलने में सहयोग करता रहेगा, ताकि छात्रों को उपयोगी, व्यावहारिक और भविष्य केंद्रित शिक्षा मिल सके।

पालघर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चुनावी सभा, कार्यकताओं में दिखा जोश

पालघर। पालघर नगर परिषद और दहानू नगर परिषद आम चुनाव2025 के अभियान को गति देने के उद्देश्य से रविवार को पालघर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भव्य चुनावी सभा आयोजित की गई। इस सभा में भारी संख्या में नागरिकों और भाजपा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विशेष रूप से उपस्थित होकर मुख्यमंत्री फडणवीस का स्वागत किया। सभा में महाराष्ट्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अमदर रवींद्र दादा चव्हाण, राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाइक, पालघर के सांसद हेमंत सावरा, विधायक हरिश्चंद्र भोये, वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नालासोपारा के विधायक राजन नाइक, पालघर मेयर पद के उम्मीदवार कैलास म्हात्रे, दहानू मेयर पद के उम्मीदवार भरत राजपूत, सभी नगरसेवक उम्मीदवार, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़े स्तर पर मौजूद कार्यकताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाया। सभा के दौरान नेताओं ने विकास, पारदर्शी प्रशासन और क्षेत्र की प्रगति के लिए नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का संकल्प व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इस सभा से पालघर और दहानू की विकास यात्रा को नई गति मिलने की संभावना है।

तनूरा स्वेथा मेनन और सुनील शेट्टी ने शुरू किया औंही

मुंबई। सीरियल उद्यमी तनूरा स्वेथा मेनन ने वेलनेस आइकन और फिटनेस चैंपियन सुनील शेट्टी के साथ मिलकर औंही'' की शुरूआत की घोषणा की है। 40 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया यह भारत का पहला समग्र वेलनेस इकोसिस्टम है। इसमें एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स, हेल्दी एजिंग सॉल्यूशन्स और लॉन्गेविटी पर केंद्रित कम्युनिटी प्लेटफॉर्म्स को एक साथ जोड़ा गया है। औंही'' सिर्फ प्रोडक्ट्स का लॉन्च नहीं है, बल्कि सह-संस्थापक तनूरा स्वेथा मेनन, मितलाज और शाहिन फर्झीन के जीवन अनुभवों पर आधारित एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंदोलन की शुरूआत है। उन्होंने भारत में बुजुर्गों की जरूरतें, छूटे हुए अवसर और मौजूदा व्यवस्थाओं की कमियाँ करीब से समझीं और हर परिवार के लिए एकीकृत वेलनेस इकोसिस्टम तैयार किया है। विज्ञान-आधारित न्यूट्रास्यूट्रिकल्स, डिजिटल वेलनेस कम्युनिटी प्लेटफॉर्म, प्रिवेंटिव हेल्थ सॉल्यूशन्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लिविंग स्पेसेस–इन सभी के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से औंही'' का उद्देश्य उम्र बढ़ने को कमी नहीं, बल्कि जीवन का जश्न मनाने वाला चरण मानने का है। ब्रैंड एम्बैसडर-बॉलीवुड के वेलनेस पायनियर, फिटनेस आइकॉन और कई वेलनेस स्टार्टअप्स के मेंटर सुनील शेट्टी औंही'' के साथ सक्रिय और समग्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने चार दशकों का अनुभव लाते हैं।

पाम ऑयल का अनावरण : विज्ञान, स्वास्थ्य, नवाचार, स्थिरता और आगे की राह पर सेमिनार सेशन

मुंबई। ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, ईस्टर्न जोन द्वारा मलेशियन पाम ऑयल काउंसिल (एमपीओसी) के सहयोग से और जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के समर्थन से रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर (आरएमआईसी), गोलपार्क, कोलकाता में एक सेमिनार सत्र का आयोजन किया गया। यह 80वीं वार्षिक कन्वेंशन और इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फैट्स, ऑयल्स, फूड एंड एलाइड इंडस्ट्रीज में उभरती सस्टेनेबल प्रोसेस टेक्नोलॉजीज एंड प्रोडक्ट्सश्र (ईएसपीटी-एफओएफए 2025) का हिस्सा था। पाम ऑयल का अनावरणः विज्ञान, समाज, नवाचार, स्थिरता और आगे की राह पर आधारित यह सेमिनार सेशन दुनिया के सबसे विवादास्पद कृषि उत्पादों में से एक पर स्पष्टता, साक्ष्य-आधारित जानकारी और रचनात्मक संवाद लाने के लिए एक ऐतिहासिक पहल थी। पाम ऑयल वैश्विक खाद्य, ऊर्जा और उपभोक्ता-माल प्रणालियों का आधार स्तंभ बना हुआ है, फिर भी यह जटिल सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक वाद-विवाद के इंटरसेक?शन पर स्थित है। यह पहल वैज्ञानिकों, उद्योग के दिग्गजों, चिकित्सा पेशेवरों, नीति निमार्ताओं, सामुदायिक हितधारकों और सस्टेनेबिलिटी इनोवेटर्स को एक साथ लाई, ताकि पाम ऑयल के भविष्य के लिए संतुलित, समाधान-केंद्रित मार्ग तैयार किया जा सके। सेमिनार में पाम ऑयल से जुड़े लंबे समय से प्रचलित मिथकों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि पाम ऑयल ट्रांस-फैट फ्री है, एंटीऑक्सीडेंट्स से समृद्ध है और संतुलित फैटी एसिड प्रोफाइल रखता है–जो इसे भारतीय रसोई के लिए पौष्टिक और स्थिर कुकिंग ऑयल बनाता है।

पिकअप से टकराई बाइक, पिता-पुत्र की मौत

सीतापुर (उत्तरशक्ति)। तंबौर के चकपुरवा गांव के पास बुधवार को एक बाइक पिकअप से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। सिकरी गांव निवासी हरीश मिश्र (40) अपने पुत्र तन्मय (15) के साथ रिश्तेदारों के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम से वापस आ रहे थे। एक बाइक पर हरीश उनका पुत्र व दो पुत्रियां कुल चार लोग सवार थे।

चकपुरवा और कम्हरिया के बीच एक पिकअप टेंट का सामान लादे हुए बैक हो रही थी। अनियंत्रित होकर बाइक उस पिकअप से टकरा गई। चारों लोग जमीन पर गिर गए। इतने में ही एक ट्रैक्टर ट्राला सामने से आया गया। उसके पहिए की चपेट में आकर तन्मय का सिर कुचल गया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हरीश ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया।

क्लीन इंडिया शो के साथ सह-स्थित लोन्ड्रेक्स इन्डिया 2025 का शुभारंभ

मुंबई। क्लीन इंडिया शो का 21वां संस्करण, जिसका बहुत दिनों से इंतजार था, आज मुंबई के बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में ऑफिशियली शुरू हो गया है। यह भारत का एकमात्र इंटीग्रेटेड एग्ज़िबिशन है, जो क्लीनिंग, हाइजीन और इंडस्ट्रियल क्लीनिंग के लिए है। यह इवेंट लॉन्ड्रेक्स इंडिया के साथ को-लोकेटेड है, जो लिनन केयर सॉल्यूशंस पर फोकस करने वाला एक स्पेशलाइज्ड प्लेटफॉर्म है। ये शो मिलकर 26 से 28 नवंबर 2025 तक एक ही छत के नीचे इनोवेशन और एक्सपर्टीज का एक बेमिसाल शोकेस लाते हैं। बड़े शो फ्लोर पर 600 से ज्यादा बड़े ब्रांड्स के शानदार डिस्प्ले होंगे, जो रोबोटिक क्लीनिंग सॉल्यूशन, मेजरेबल एयर क्वालिटी सिस्टम, फैसिलिटी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर और ऑटोमेशन, ग्रीन क्लीनिंग केमिकल्स, वॉटरलेस हाइजीन और सैनिटेशन प्रोडक्ट्स, सरफेस मेंटेनेंस, सिटी क्लीनिंग सिस्टम, वेस्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशन, व्हीकल केयर टूल्स, और हाइजीनिक लिनन, लॉन्ड्री, और ड्राइ-क्लीनिंग इनोवेशन जैसे अलग-अलग सेगमेंट को रिप्रेजेंट करेंगे। वर्चुअल इंफो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसे फ्रैंकफर्ट ट्रेड फेयर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित क्लीन इंडिया शो में 155 एग्जिबिटर शामिल हैं, जिनमें 45 से ज्यादा पहली बार हिस्सा ले रहे हैं। वर्चुअल इंफो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (व्हीआयएस ग्रुप) के चेयरमैन जयराम नायर ने कहा कि क्लीन इंडिया शो लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल तरीकों को दिखाने के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बना हुआ है, जो भारत और उसके बाहर सफाई और फैसिलिटी मैनेजमेंट के भविष्य को आकार दे रहे हैं। इस साल का संस्करण खास तौर पर रोमांचक है, क्योंकि इसमें ऑटोमेशन, एनवायरनमेंटल सेफ्टी और स्मार्ट हाइजीन सॉल्यूशंस पर ज्यादा फोकस किया गया है।

महाराजगंज ब्लॉक पीवीसीएस में मनाया गया संविधान दिवस

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के पीवीसीएस कार्यालय में 75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आकर्षक तरीके से समारोह आयोजित किया गया। जिसमें महाराजगंज प्रखंड के पीवीसीएस सदस्यों ने भाग लिया। महाराजगंज पीवीसीएस के पदासीन अधिकारी व प्रखंड सहकारिता सहयोग समिति के सदस्य संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष वकील प्रसाद ने कहा कि संविधान औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज है। इस दौरान अपने संबोधन में श्री प्रसाद ने कहा, संविधान दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी पीवीसीएस सदस्यों, उपाध्यक्ष, सचिव, के बीच आकर संविधान के प्रस्तावना पर कुछ बोलने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज ही के दिन, 26 नवंबर, 1949 को, संविधान भवन में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने का कार्य पूरा किया था। उसी वर्ष, इसी दिन, हम भारत के लोगों ने, अपने संविधान को अंगीकार किया था। स्वतंत्रता के बाद, संविधान सभा ने भारत की अंतरिम संसद के रूप में भी कार्य किया। प्रारूप समिति के अध्यक्ष, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, हमारे संविधान के प्रमुख निमार्ताओं में से एक थे। संविधान की प्रस्तावना को हम आज अन्य सरकारी ,गैर सरकारी संस्थाओं के अलावा सीवान जिला के सभी पीवीसीएस कार्यालयों में सम्मानित तरीके से राष्ट्र गान के साथ प्रस्तावना को दिल से पुनर याद कर रहे है। मौके पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव के अलावा सदस्य मुसाफिर महतो, किशोर प्रसाद, ललिता देवी, सोनमती देवी, मुकेश महतो, बटन प्रसाद, छद्दू महतो, सुनीता देवी, आदि सदस्य शामिल थे।

एक स्वस्थ भविष्य आज के मेनिन्जाइटिस टीकाकरण पर निर्भर करता है

नवी मुंबई। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर के नाम से भी जाना जाता है, एक गंभीर संक्रमण है जिसे टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है। यह बीमारी विशेषकर बच्चों के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चिंता है। मेनिन्जाइटिस अवेयरनेस इनिशिएटिव का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे रोकने के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करना है, ताकि समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से जीवन बचाया जा सके।

हर वर्ष दुनिया भर में 2.5 मिलियन से अधिक मेनिन्जाइटिस के मामले दर्ज किए जाते हैं। यह एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य संकट है, क्योंकि इस बीमारी से होने वाली मौतों में लगभग 70% बच्चे पाँच वर्ष से कम आयु के होते हैं। मेनिन्जाइटिस अचानक हमला कर सकता है और तेजी से बढ़ सकता है, लेकिन अच्छी खबर यह है कि यह बड़े पैमाने पर रोका जा सकता है। टीकाकरण इस जीवन-घातक बीमारी से बच्चों और वयस्कों की रक्षा करने का सबसे प्रभावी साधन है, ऐसा कहना है डॉ. सतीश ए. शाहाणे, पीडियाट्रिशियन, सान्वी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, नवी मुंबई का। मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों (मेनिन्जीस) में सूजन आने के कारण होता है। यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगस या वायरस संक्रमण से होता है। मेनिन्जाइटिस के लक्षण उसके कारण, बीमारी की अवधि (तीव्र, उप-तीव्र या पुरानी), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगोएन्सेफलाइटिस) और शरीर संबंधी जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। आम लक्षणों में गर्दन में अकड़न, बुखार, मानसिक भ्रम, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम सामान्य लक्षणों में दौरे, कोमा और न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ (जैसे सुनने या देखने में कमी, संज्ञानात्मक हानि या अंगों में कमजोरी) शामिल हैं।

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने देशव्यापी नेटवर्क को मजबूत करने के लिए किया ट्रांसशिपमेंट सेंटर्स का किया विस्तार

मुंबई। ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने अपने घरेलू सप्लाई चेन व्यवसाय (एक्सप्रेस डिस्ट्रीब्यूशन और कंसल्टेटिव लॉजिस्टिक्स) के पुनर्गठन की योजना को मंजूरी मिलने के बाद आज अपने परिचालन नेटवर्क में बड़ा बदलाव करने की घोषणा की यह कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और भविष्य के हिसाब से तैयार लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम बनाने की लगातार कोशिशों का हिस्सा है। ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केतन कुलकर्णी ने इस बारे में कहा, ह्यहमारे ट्रांसशिपमेंट सेंटर्स का 21 से 71 तक पुनर्वर्गीकरण हमारे देशव्यापी लॉजिस्टिक्स ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बदलाव हमारी एक्सप्रेस और कंसल्टेटिव लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के बीच मजबूत तालमेल से भी प्रेरित है, जो हमें तेज टर्नअराउंड, बाजार में बेहतर पहुंच और लगातार बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाता है. सबसे महत्वपूर्ण बात है कि यह देश भर में, विशेष रूप से छोटे शहरों और तेज विकास वाले क्षेत्रीय बाजारों में कनेक्टिविटी एवं सेवा की विश्वसनीयता को मजबूत करता है। यह पहल परिचालन की उत्कृष्टता और भारत में भविष्य के हिसाब से तैयार लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता के बारे में बताती है। यह पुनर्वर्गीकरण ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स की छोटे शहरों और तेज विकास वाले क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंचने एवं सेवा प्रदान करने की क्षमता को काफी बढ़ाएगा. बेहतर रूटिंग, समन्वित नेटवर्क प्रवाह और बुनियादी ढांचे की त्वरित तैनाती के साथ यह उन्नत नेटवर्क मॉडल एक्सप्रेस तथा कंसल्टेटिव लॉजिस्टिक्स दोनों परिचालनों में तेज टर्नअराउंड समय व निर्बाध ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करेगा।

चाइनीज वॉक की ब्लैक फ्राइडे वॉक फीस्ट पूरा मेन्यू सिर्फ 149 में!

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी देसी चाइनीज क्यूएसआर चेन, चाइनीज वॉक, एक बार फिर अपने सबसे बड़े वार्षिक धमाके के साथ तैयार है! इस ब्लैक फ्राइडे वॉक फीस्ट के तहत, पूरे देश के सभी चाइनीज वॉक आउटलेट्स पर मेन्यू की हर चीज सिर्फ 149 रुपये में मिलेगी। यह शानदार तीन-दिवसीय मेगा ऑफर 28 से 30 नवंबर 2025 (शुक्रवार से रविवार) तक चलेगा। इस खास मौके का फायदा उठाने के लिए ग्राहकों को अपने नजदीकी चाइनीज वॉक आउटलेट पर आना होगा, क्योंकि यह ऑफर केवल डाइन-इन और टेकअवे ऑर्डरों के लिए ही मान्य है।

पिछले साल इस ऑफर ने ग्राहकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया था, जिसके चलते डाइन-इन में 40% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इसी को देखते हुए, चाइनीज वॉक इस बार फेस्टिव खाने के मौसम की शुरुआत एक शानदार और किफायती जश्न के साथ कर रहा है। चाइनीज बाउल्स और मोमोज से लेकर, हुनान पनीर ड्राई जैसे ऐपेटाइज़र, और फ्राइड राइस, हक्का नूडल्स व चिल्ली चिकन ड्राई जैसे पसंदीदा व्यंजनों तक – मेन्यू का हर आइटम फ्लैट 149 रुपये में उपलब्ध होगा। इससे हर उम्र और शहर के ग्राहकों के लिए इस लाजवाब खाने का मजा लेना आसान हो जाएगा। भारत की सबसे बड़ी देसी चाइनीज क्यूएसआर के रूप में, यह पहल ब्रांड के उस निरंतर प्रयास को दर्शाती है जिसका उद्देश्य दमदार और जायकेदार चाइनीज अनुभव को हर शहर तक पहुंचाना है।

ब्लैक फ्राइडे ऑफर के बारे में बात करते हुए, लेनेक्सिस फूडवर्क्स के संस्थापक और निदेशक, आयुष मधुसूदन अग्रवाल ने कहा, चाइनीज वॉक हमेशा से ही दमदार स्वाद, बेहतरीन किफायत और एक ऐसे अनुभव के लिए जाना जाता है जो लोगों को बार-बार वापस लाता है। ब्लैक फ्राइडे सेल हमारी उस समुदाय का जश्न मनाने का तरीका है जिसने हमारी एक दशक लंबी यात्रा में हमारा समर्थन किया है। पूरे मेन्यू को 149 रुपये में पेश करके, हम चाहते हैं कि यह सप्ताहांत न केवल शानदार कीमतों के लिए, बल्कि दमदार और जायकेदार देसी चाइनीज पर साझा की गई बेहतरीन यादों के लिए भी यादगार बन जाए।

वास्तविक इतिहास से ही होगा भारत का उदय

अमेठी। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के अमेठी कैंपस में 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के राज्य अभिलेखागार के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। विशिष्ट वक्ता के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव संजय कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा की गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने के लिए देश के वास्तविक इतिहास को सामने लाना होगा। भारत का वास्तविक इतिहास अभी तक अंग्रेजी और गुलामी की मानसिकता के आधार पर लिखा गया। भारत के गौरवशाली इतिहास को नकारात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया जिससे भारत की आत्मा आहत हुई। भारत का वास्तविक इतिहास सामने लाने के लिए स्थानीय स्त्रोतों का वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि अमेठी का गौरवशाली इतिहास रहा है जहां 1857 में 17 महीने तक अंग्रेजों को पराजय झेलनी पड़ी और सुल्तानपुर, अमेठी स्वतंत्र रहे। कादु नाला में 607 अमर शहीदों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्हें मारकर कुएं में डाल दिया गया और यह बलिदान इतिहास में दर्ज नहीं हो पाया। भारतीय इतिहास को सही अर्थों में समझने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना और स्थानीय स्त्रोतों के आधार पर वास्तविक इतिहास लिखना पड़ेगा। भारत को महान राष्ट्र बनाने के लिए सम्यक इतिहास बोध आवश्यक है।

मुख्य वक्ता के रूप में लेखक राकेश पाण्डेय ने कहा कि किस प्रकार से सुल्तानपुर और अमेठी में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अमर शहीदों ने योजना बनाकर अंग्रेजी सत्ता का प्रतिरोध किया। अमेठी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के अशोक कुमार द्विवेदी और संजय सिंह ने भाले सुल्तानी परिवार के बलिदान को याद किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 180 प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की और महत्वपूर्ण विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेठी के राहुल सिंह और सुल्तानपुर के लेखाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र.प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू उपस्थित थे।कार्यक्रम में अमेठी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार जनों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अभिलेखागार से उपनिदेशक अमिताभ पांडेय, शिवकुमार यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अमेठी केंद्र के निदेशक डॉ संदीप नायक, डॉ रविंद्र कटियार, डॉ मुरली, डॉ पात्रा, डॉ योगधर पाण्डेय, डॉ आदित्य खंपरिया उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर जनपद में सभी सरकारी व अर्द्ध सरकारी कार्यालयों में लिया गया संविधान की उद्देशिका की शपथ

बलरामपुर। आज संविधान दिवस के अवसर पर जनपद के सभी सरकारी, अर्द्ध-सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं स्थानीय निकायों में भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पठन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान के मूल्यों—न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व—को जीवन और कार्यसंस्कृति में उतारना तथा नागरिकों और अधिकारियों में संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मा०मुख्यमंत्री जी का वर्चुअल संबोधन सुना गया। कार्यक्रम में डीएम श्री विपिन कुमार जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है, जिसके मूल सिद्धांतों का पालन प्रत्येक नागरिक और सरकारी कर्मचारी का दायित्व है। उन्होंने यह भी बताया कि संविधान दिवस हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण, नागरिक अधिकारों की रक्षा और कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। संविधान हमें समान अवसर, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी का अधिकार देता है और इसके प्रति सम्मान एवं अनुपालन हमारा कर्तव्य है।

देशभर में चार श्रम संहिताओं को लागू किए जाने का BJMS ने किया स्वागत

विरार। भारतीय जनता मजदूर संघ (BJMS) ने भारत सरकार द्वारा देशभर में चार श्रम संहिताओं को लागू किए जाने के निर्णय का गर्मजोशी से स्वागत किया है। BJMS की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंडल के नेतृत्व में संगठन ने केंद्र सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इखटर की प्रवक्ता सुदीप्ति सिंह (विरार) ने बताया कि श्रम सुधारों के इस ऐतिहासिक कदम से देश के करोड़ों मजदूरों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। BJMS के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लागू की गई चारों श्रम संहिताएँ जिसमें वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता, 2020 शामिल है। मजदूरों के अधिकारों को सशक्त बनाने तथा उनके कार्यस्थल की स्थितियों में सुधार लाने की दिशा में एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक कदम हैं।

संहिताओं से प्रमुख लाभ यह है कि सभी कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित, नियुक्ति पत्र अनिवार्य, जिससे पारदर्शिता और श्रमिक अधिकारों की सुरक्षा, गिग एवं प्लेटफॉर्म श्रमिकों को पहली बार सामाजिक सुरक्षा, महिलाओं को सुरक्षा के साथ रात्रि पाली में कार्य का अवसर, सभी कर्मचारियों का वार्षिक मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण, ESIC कवरेज का विस्तार पूरे देश में, समय पर वेतन भुगतान अनिवार्य, अनुबंध श्रमिकों को भी समान सुरक्षा, उद्योगों के लिए सिंगल रजिस्ट्रेशन और सिंगल लाइसेंस, जिससे अनुपालन प्रक्रिया सरल, BJMS का भविष्य कार्यक्रम शामिल है। संघ ने घोषणा की कि वह पूरे देश में व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के प्रत्येक श्रमिक तक नई श्रम संहिताओं की जानकारी और उनके लाभ पहुँच सकें। BJMS ने विश्वास जताया कि इन श्रम संहिताओं से देश के मजदूर वर्ग को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित होगा, जिससे राष्ट्र के आर्थिक ढांचे को मजबूती मिलेगी।

भारत के संविधान की ताकत से आतंकवाद कभी नहीं जीत सकता : कृपाशंकर सिंह

संविधान को बताया न्याय, सुरक्षा और विश्वास का कवच

मुंबई। संविधान दिवस पर 2008 में हुए मुंबई हमले को नापाक पाकिस्तान का कायराना कृत्य बताते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि संविधान की ताकत से आतंकवाद कभी नहीं जीत सकता। उन्होंने कहा कि संविधान को चुनौती देने वाले सभी आतंकियों का सफाया तथा हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कानून की जीत दिखाती है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि 246 निर्दोष नागरिकों की हत्या के पाप की सजा आतंकियों का घर बन चुका पाकिस्तान भुगत रहा है।

उन्होंने कहा कि संविधान न्याय, सुरक्षा और विश्वास का कवच है। संविधान सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देता है और सदियों से चले आ रहे भेदभाव और असमानताओं को पूरी तरह से खत्म करने का कड़ा संदेश देता है। उन्होंने कहा कि संविधान सरकार के लिए एक ढाँचा प्रदान करता है, सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्तियों का संतुलन बनाता है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। यह देश में कानून की सर्वोच्चता स्थापित करता है, सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देता है और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में मदद करता है।

टाइटन इनटेक लिमिटेड ने दक्षिण कोरिया की मीडिया इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड के साथ की साझेदारी

मुंबई। टाइटन इनटेक लिमिटेड, जो ओईएम/ओडीएम समाधानों और उन्नत एम्बेडेड सिस्टम्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज में अग्रणी नवप्रवर्तक है, ने दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित मीडिया इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड , एक प्रमुख कोरियाई डिस्प्ले तकनीक कंपनी के साथ एक रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग भारत में उन्नत LED, SMD, MiP, Mini-LED और LCD डिस्प्ले कंट्रोल सिस्टम्स के सह-विकास और स्थानीयकरण पर केंद्रित है, जो उच्च-प्रदर्शन डिस्प्ले तकनीक क्षेत्र में आयात प्रतिस्थापन और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह साझेदारी अगले 7 वर्षों में लगभग 135 करोड़ (USD 1.53 मिलियन) के चरणबद्ध निवेश को प्रौद्योगिकी अधिग्रहण, बुनियादी ढांचा विस्तार, और उन्नत डिस्प्ले मॉड्यूल तथा कंट्रोल सिस्टम्स के स्थानीयकृत उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ाएगी। समझौते के तहत, MIC टाइटन इनटेक को एलईडी नियंत्रण और कैलिब्रेशन टूल्स के लिए आवश्यक व्यापक डिजाइन दस्तावेज, हार्डवेयर और फर्मवेयर पैकेज, तथा सॉफ़्टवेयर लाइसेंस हस्तांतरित करेगा। इसमें mLED मास्टर सूट (स्टैंडर्ड, प्रीमियम और 4K संस्करण) शामिल है, जो 2025-2032 की अवधि के लिए सात-वर्षीय, गैर-एक्सक्लूसिव लाइसेंस है और SMD तथा मिनी-एलईडी सिस्टम्स के उत्पादन और कैलिब्रेशन टूल्स को कवर करता है।

सहयोग पर बात करते हुए, टाइटन इनटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कुमारराजू रुद्राराजू ने कहा, यह साझेदारी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कोरियाई नवाचार को भारतीय इंजीनियरिंग के साथ जोड़कर, हमारा उद्देश्य उन्नत डिस्प्ले तकनीकों के लिए एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी आधार तैयार करना है।

घरों में घुसकर चोरी करने वाले चोर गिरफ्तार, लाखों का माल जब्त

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने किया कारवाई। शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर दिनांक 28/10/2025 को रात 21:30 बजे से दिनांक 29/10/25 को सुबह 04:00 बजे के बीच काशीमीरा पुलिस स्टेशन, 29/10/2025 को आईपीसी की धारा 331(4) के तहत मामला दर्ज किया गया, जिसके आधार पर शिकायतकर्ता योगेश जगदीश म्हात्रे, निवास कमरा नंबर 001, शिवनेरी चॉल, शंकर मंदिर के पीछे, पेनकरपाड़ा, मीरा रोड पूर्व में बंद घर के दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी से सोने के गहने चुरा लिए। वरिष्ठ अधिकारियों ने उक्त अपराध को गंभीरता से लिया था और अपराध में आरोपियों की तलाश करने के निर्देश दिए थे। उक्त अपराध के संबंध में, घटना स्थल और आसपास के क्षेत्र से लगभग 100/125 सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, आरोपी नाम 1) जगनसिंह तारासिंह कल्याणी (कलानी) उर्फ पाजी, उम्र 39, मकान नंबर 10, शिवशक्ति चाल, मारी ऐ नगर, कोलशेत, तालुका ठाणे, मूल निवासी 02 नंबर गेट, गुरुद्वारा, जिला-नांदेड़, नासिक शहर, और आरोपी नंबर 2) हनुमंत बापूराव तांबे, उम्र 31, आर.एम.पी. -महासंगवी, हनुमानवाड़ी, तालुका पाटोदा, जिला-चिड़, पाटोदा, बिड को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान, आरोपियों ने अपराध करना कबूल कर लिया, और घर में चोरी के दौरान चुराए गए 13 तोला 106 ग्राम (वर्तमान विनिमय दर के अनुसार 14,56,000/- रुपये) वजन के सोने के आभूषण, अपराध में प्रयुक्त 70,000/- रुपये मूल्य की एक एफजेड मोटरसाइकिल और घर में चोरी में प्रयुक्त सामग्री, कुल 15,26,000/- रुपये, उनके पास से जब्त कर लिए गए हैं।

अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान निम्नलिखित अपराधों का खुलासा हुआ। वरील कामगिरी निकेत कौशिक, पोलीस आयुक्त, मि.भा-व.वि पोलीस आयुक्तालय, दत्ताजय शिंदे, अपर पोलीस आयुक्त, संदीप डोईफोडे, पोलीस उप-आयुक्त, (गुन्हे) गणपत पिंगळे, सहा.पो. आयुक्त, मिरा रोड विभाग, राजेंद्र कांबळे, वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक यांचे मार्गदर्शनाखाली पोउनि शिवाजी खाडे, पोउपनिरी स्वप्निल बेलोसे, पोहवा डोबाळ, पो.हवा गांगुर्डे, पो.हवा निकम, पो.हवा सोनकांबळे, पोशि पंडागळे, पोशि मुकेश कांबळे नेम. काशिमिरा पो स्टे व सहा. पोउपनिरी जाधव,ने कारवाई किया।

किआ इंडिया की ड्राइव ग्रीन पहल

मुंबई। किआ इंडिया, एक प्रमुख मास प्रीमियम कार निमार्ता, ने ह्यकिआ ड्राइव ग्रीन के लॉन्च के साथ पर्यावरण को लेकर अपने दृष्टिकोण को और मजबूत किया है। यह किआ कनेक्ट ऐप पर एक स्थिरता-केंद्रित एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म है। यह पहल ब्रांड की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियों के मालिकों के साथ यूजर्स के मजबूत संबंध बनाने के साथ-साथ पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देती है। ड्राइव ग्रीन फीचर, जो वर्तमान में किआ कैरेंस क्लैविस ईवी के साथ उपलब्ध है और किआ कनेक्ट के तहत न्यू सर्विसेज टैब के माध्यम से एक्सेसिबल है, को धीरे-धीरे सभी आगामी किआ ईवी में रोल आउट किया जाएगा। किआ कनेक्ट ऐप में ड्राइव ग्रीन के साथ, हर महीने एक वर्चुअल पेड़ लगाया जाएगा, जो ड्राइव किए गए किलोमीटर के आधार पर पांच चरणों से गुजरकर बढ़ेगा। ऐप यूजर्स को पांच इको-बैज से पुरस्कृत करता है – ग्रीन एक्सप्लोरर (2,500 किमी), इको चैंपियन (15,000 किमी), कार्बन क्रशर (25,000 किमी), फॉरेस्ट गार्जियन (50,000 किमी), और प्लैनेट प्रोटेक्टर (100,000 किमी) – साथ ही हासिल की गई कार्बन डाइऑक्साइड बचत को प्रदर्शित करता है। उदाहरण के लिए, 100 किमी ड्राइव करने से लगभग 13.2 किग्रा कार्बन डाइऑक्साइड की बचत होती है, और 1,500 किमी से लगभग 197.6 किग्रा कार्बन डाइऑक्साइड की बचत। अतुल सूद, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एवं मार्केटिंग, किआ इंडिया ने कहा, किआ में, मोबिलिटी के लिए हमारी सोच पर्यावरण की जिम्मेदारी से जुड़ी हुई है। 'किआ ड्राइव ग्रीन' योजना के जरिए, हम नई चीजें बनाने और पर्यावरण के अनुकूल टेक्नोलॉजी से लेकर अपने कामकाज व ग्राहकों से जुड़ाव तक हर जगह पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने की दिशा में एक मजबूत कदम उठा रहे हैं। यह पहल क्लीन मोबिलिटी को हमारी रोज की जिंदगी का हिस्सा बनाने की कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दिखाती है। ड्राइव ग्रीन पहल किआ इंडिया के व्यापक ग्रीन मोबिलिटी विजन का एक उदाहरण है, जो वाहनों से परे मूल्य कैसे प्रदान किया जा सकता है, इसकी दिशा निर्धारित करती है, जिससे डिजिटल अनुभवों के माध्यम से पूरी ईमानदारी और पर्यावरण जागरूकता दोनों का निर्माण होता है।

वर्ल्ड आयरन डेफिशिएंसी डे से पहले, डैनोन इंडिया ने की राष्ट्र व्यापी पहल आयरन अप की घोषणा

मुंबई। भारत में आयरन की कमी और एनीमिया के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए, डैनोन इंडिया ने आज विश्व आयरन डेफिशिएंसी डे से पहले अपनी राष्ट्रीय पहल आयरन अप की घोषणा की। यह अभियान पूरे देश में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य कर्मियों की भागीदारी, डिजिटल शिक्षा और सामुदायिक साझेदारी को जोड़कर आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया (आईडीए) की पहचान और रोकथाम को तेज करने का लक्ष्य रखता है। डैनोन इंडिया पहले ही कई राज्यों में 8 लाख से अधिक बच्चों की आयरन स्क्रीनिंग कर चुका है। बिना किसी दर्द के और डिजिटल तकनीक की मदद से इस स्क्रीनिंग के माध्यम से बच्चों में जोखिम की शुरूआती पहचान की जा रही है, जिससे माताझपिता और शिक्षकों को समय पर सही कदम उठाने में मदद मिल रही है। चिकित्सकीय जागरूकता को मजबूत करने के लिए डैनोन ने आईडीए प्लेज अभियान शुरू किया है, जिसके माध्यम से पूरे भारत के स्वास्थ्य विशेषज्ञों से जागरूकता बढ़ाने, समय पर बीमारी की पहचान करने और बीमारियों की रोकथाम वाले पोषण को बढ़ावा देने की अपील की जा रही है। इसका उद्देश्य मेडिकल समुदाय में एक मजबूत, संयुक्त प्रयास बनाना है, ताकि परिवार आयरन की कमी को समय रहते पहचान सकें और उससे निपटने के लिए कदम उठा सकें। आयरन अप के हिस्से के तौर पर, अपनी डिजिटल पहल डिसअपीयर्ड रेड के जरिए, डैनोन इंडिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 25 मिलियन से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाने का लक्ष्य रखता है। यह अभियान तस्वीरों के जरिए कहानी कहने के माध्यम से दिखाता है कि आयरन की कमी दिमागी कार्यों को कैसे प्रभावित करती है और रोजमर्रा की काम करने की क्षमता को कम करती है, इससे लोग जल्दी स्क्रीनिंग कराने और सही पोषण अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। जमीनी स्तर पर, डैनोन स्कूलों और समुदायों में आयरन डेफिशिएंसी अवेयरनेस कैंप आयोजित कर रहा है, जिनका पूरा फोकस बच्चों और महिलाओं पर हैजो एनीमिया के सबसे ज्यादा शिकार हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, शुरूआती पहचान को बढ़ावा देना और उन समुदायों में पोषण की कमी को दूर करना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

होली होराइजन स्कूल कल्याण पूर्व में संविधान दिवस मनाया गया

आदेश मिश्र

कल्याण। कल्याण पूर्व स्थित होली होराइजन स्कूल में बुधवार को एक रैली के माध्यम से संविधान दिवस मनाया गया। विद्यालय के प्रिंसिपल डॉक्टर रमाकांत क्षितिज ने बताया, हमारी ताकत, हमारी शान, हमारा अपना संविधान. कमजोर की ताकत इसमें है। पिछड़े के लिये ऊर्जा इसमें है. आज संविधान दिवस पर बच्चों ने संविधान के प्रति जागरूकता लाने के लिये ' संविधान दिवस ' पर स्कूल के आसपास के क्षेत्र में रैली निकली. रैली के आसपास से गुजरते नागरिकों ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। रैली सहयाद्री पार्क, राय पैराडाइज, कैलाश नगर, पानी टंकी खड़ेगोलवली, अपर्णा डेरी, विट्ठल मंदिर विट्ठलवाड़ी, शिव मंदिर विट्ठलवाड़ी से होते हुए, जनसेवा स्कूल कल्याण पूर्व, मंगेशी पार्क, गैस कंपनी चौक, से होते हुए कैलाश नगर, रवि होटल के पास से स्कूल पर समाप्त हुई। रैली में स्काउट गाइड के बच्चों के साथ-साथ टीचर्स ने बड़ा अच्छा योगदान दिया. श्रीकांत सर,राजेंद्र सर, मनीष सर, ज्योति टीचर, प्रगति टीचर, प्रीति टीचर,साक्षी टीचर, जय श्री टीचर आदि ने भाग लिया. बच्चों के हाथों में संविधान की मुख्य बातें, बच्चों के हाथों में लहराते तिरंगे, एक बच्चे के हाथ में बड़ी सी संविधान की पुस्तक, लोगों को संविधान दिवस की याद दिला रही थी. व उन्हें उसकी महत्व को समझा रही थी. इस तरह से हर्ष और उल्लास के साथ के होली होराइजन स्कूल में संविधान दिवस मनाया गया।

डाबर च्यवनप्राश से अपनी इम्यूनिटी बढ़ाए और आनंद उठाएं सर्दियों का

पटना। सर्दी का मौसम किसे अच्छा नहीं लगता लेकिन जब इस सर्दी में खांसी, जुकाम एवं श्वांस संबंधी बीमारियाँ हो जायें तो सर्दी का मजा फीका पड़ जाता है। आमतौर पर ये बीमारियाँ तापमान में होने वाले बड़े बदलाव एवं बदलते मौसम में किसी भी व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम हो जाने के कारण होती हैं। ऐसे में हजारों वर्षों से प्रसिद्ध, लाखों-करोड़ों लोगों द्वारा सफलतापूर्वक आजमाया हुआ आयुर्वेदिक उत्पाद च्यवनप्रास काफी राहत देता है। डाबर च्यवनप्राश का सेवन न केवल हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर हमें इस सीजन में प्रायः होने वाली खांसी, जुकाम जैसी बीमारियों से बचाता है बल्कि हमारे शरीर के अनेक अंगों की क्रियाओं को अच्छा करता हुआ शरीर को बलशाली भी बनाता है। डाबर का प्रमुख हेल्थकेयर ब्रांड डाबर च्यवनप्राश ने आज देश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एक मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल के तहत, प्रमुख डॉक्टर के साथ मिलकर डाबर च्यवनप्राश ने परिवर्तनशील मौसम, सामान्य बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने के लिए एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बनाने की आवश्यकता पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा सत्र आयोजित किया।

बुधवार को इस अभियान को पटना में सेंट डोमिनिक सैवियो हाई स्कूल के 250 से अधिक बच्चों के लिए आयोजित एक विशेष सत्र के साथ शुरू किया गया। इस सत्र का उद्देश्य सर्दियों में बीमारी से लड़ने के लिए बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करना था। बच्चों को बुनियादी स्वच्छता और पौष्टिक आहार के माध्यम से अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के तरीकों में भी शिक्षित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, ब्यास आनंद, सीएसआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के प्रमुख डाबर इंडिया लिमिटेड, ने कहा डाबर च्यवनप्राश 100 से अधिक वर्षों से हर भारतीय को सबसे मजबूत प्रतिरक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक छलांग है। हम शीतलहर के बारे में चिंतित हैं जो हर साल कई जान ले लेती है। इस पहल के माध्यम से, हम इन बच्चों को च्यवनप्राश प्रदान करने के अलावा प्रतिरक्षा के महत्व को उजागर करके वंचित बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करेंगे। डॉ विनोद उपाध्याय ने कहा मौसम परिवर्तन के चक्रों के दौरान अचानक तापमान परिवर्तन होता है, जो खांसी, ठंड और फ्लू जैसे संक्रमण और बीमारियों का कारण है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत फील्ड मॉनिटरिंग लगातार जारी

बलरामपुर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत जनपद बलरामपुर में एसआईआर अभियान तेज गति से संचालित है। डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन कुमार जैन ने बताया कि जनपद के सभी 1724 मतदेय स्थलों पर तैनात 1724 बीएलओ और 172 सुपरवाइजर्स घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण के बाद संकलन का कार्य सतत जारी है। बीएलओ द्वारा डोर टू डोर गणना पपत्र का संकलन एव डिजिटाइजेशन किया जा रहा हैं , बीएलओ की सहायता के लिए अन्य विभागों के कर्मियों को साथ लगाया गया हैं। चारों विधानसभा क्षेत्रों–294 बलरामपुर, 291 तुलसीपुर, 292 गैसड़ी व 293 उतरौला–में कुल 15,83,027 पंजीकृत मतदाताओं में से 15,80,874 मतदाताओं (99.86%) तक गणना प्रपत्र पहुँचाए जा चुके हैं। अब तक 5,66,201 फॉर्म का डिजिटाइजेशन माय बीएलओ एप के माध्यम से किया जा चुका है। डीएम / जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फॉर्म संकलन व डिजिटाइजेशन की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। सभी ईआरओ/एसडीएम तथा एईआरओ को निर्देशित किया गया है कि संग्रह की गति बढ़ाएँ तथा संकलित सभी प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत फील्ड मॉनिटरिंग लगातार जारी हैं। डीएम / जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर रक्फ़कार्य की प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रारंभ की गई बुक ए कॉल विथ बीएलओ सुविधा के माध्यम से मतदाता सीधे फोन पर बीएलओ से बात कर सकते हैं तथा फॉर्म से संबंधित किसी भी समस्या का समाधान या सहायता प्राप्त कर सकते हैं। जनपद स्तर पर कांटेक्ट सेंटर एवं सभी तहसीलों में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। यदि किसी कारणवश बीएलओ फॉर्म उपलब्ध नहीं करा रहा है, फॉर्म लेने से मना कर रहा है या रिसीविंग नहीं दे रहा है, तो मतदाता अ प ा न ा ी शिकायतcomplaints@eci.gov.in पर भेज सकते हैं, जिन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से तैयार सूची अधिक पारदर्शी व सुदृढ़ निर्वाचन व्यवस्था की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड और पंजाब नेशनल बैंक ने वाहन वित्त समाधान के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। भारत की नंबर 1 इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन निमार्ता कंपनी महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड और भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने वाहन वित्त समाधान के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। वित्तीय विकल्पों तक आसान पहुंच उपलब्ध कराकर, महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड और पंजाब नेशनल बैंक लास्ट-माइल कनेक्टिविटी में सकारात्मक बदलाव और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड ने हाल ही में 3 लाख कमर्शियल एश बिक्री का आंकड़ा पार करने की घोषणा की थी–जो भारत में किसी भी कंपनी द्वारा पहली बार हासिल किया गया है। पंजाब नेशनल बैंक अपने 10,000 से अधिक शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से अद्वितीय पहुंच और सुगमता प्रदान करेगा। खासकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी मजबूत शाखा उपस्थिति, अनुकूलित वित्त योजनाएं और आसान पुनर्भुगतान विकल्प, महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की पूरी वाहन श्रृंखला के लिए निर्बाध वित्त उपलब्ध कराएंगे।